राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष: 11 अंक: 148 पृष्ठ : 08, नई दिल्ली, शुक्रवार, 10 दिसम्बर 2021 मूल्य: 1.50/-

खास ख़बर

रक्षामंत्री ने राष्ट्रपति को दी जानकारी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की और उन्हें कुन्नूर के पास हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटना के बारे में जानकारी दी। इस दुर्घटना में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी मधुलिका और सशस्त्र बलों के 11 कर्मियों का निधन हो गया। राष्ट्रपति सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर हैं। सिंह ने राष्ट्रपति कोविंद को दुर्घटना के साथ ही इसके कारण उत्पन्न हुई स्थिति के बारे में भी जानकारी दी।

एल्गार परिषद मामला: आरोपी सुधा भारद्वाज तीन साल बाद जेल से रिहा

मुंबई। यल्गार परिषद-माओवादी संबंध मामले में आरोपी कार्यकर्ता सुधा भारद्वाज को तीन साल से अधिक समय तक जेल में बिताने के बाद बृहस्पतिवार को जमानत पर रिहा कर दिया गया। बंबई उच्च न्यायालय ने भारद्वाज (60) को एक दिसंबर को जमानत दी थी और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की विशेष अदालत को उन पर लगाई जाने वाली पाबंदियां तय करने का निर्देश दिया था। एनआईए अदालत ने भारद्वाज को 50 हजार रुपए के मुचलके पर रिहा करने का बुधवार को निर्देश दिया था। इसके

कांचीपुरम मंदिर में बिपिन रावत के लिए मोक्ष दीप जलाया गया

चेन्नई। तमिलनाडु के कुन्नूर में भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मारे गए प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत और 12 अन्य लोगों को मोक्ष मिलने की प्रार्थना के साथ कांचीपुरम के प्रसिद्ध श्री कामाक्षी अम्मन मंदिर में मोक्ष दीप जलाया गया। श्री कामाक्षी अम्मन मंदिर में दिवंगत आत्माओं को मुक्ति मिलने की प्रार्थना के साथ मोक्ष दीप जलाया गया।

जरा हट के... बग्गा

किसानों का आंदोलन स्थगित

■ नई दिल्ली

संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने एक साल से अधिक समय से चल रहे अपने आंदोलन को स्थगित करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की और कहा कि किसान 11 दिसंबर से दिल्ली की सीमाओं पर विरोध स्थलों से घर लौटेंगे। यह घोषणा एसकेएम को केंद्र सरकार से एक आधिकारिक पत्र मिलने के बाद हुई। इस पत्र में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस मामलों को बिना शर्त वापस लेने सहित किसानों की लंबित मांगों को स्वीकार किया गया है। किसान नेताओं ने कहा कि वे यह देखने के लिए 15 जनवरी को बैठक करेंगे कि क्या सरकार ने मांगों को पूरा किया है। किसान नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि यह आंदोलन का अंत नहीं है। सरकार ने किसानों को यह भी आश्वासन दिया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर एक समिति बनाई जाएगी जिसमें एसकेएम के सदस्य भी शामिल होंगे।

एसकेएम कोर कमेटी के सदस्य बलबीर सिंह राजेवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह अंत नहीं है क्योंकि आंदोलन अभी केवल स्थगित हुआ है। हमने 15 जनवरी को फिर से बैठक करने का फैसला किया है। मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों ने तीन विवादित कृषि कानूनों के खिलाफ पिछले साल 26 नवंबर को दिल्ली के सीमा बिंदुओं - सिंघू, टिकरी और गाजीपुर में विरोध प्रदर्शन शुरू किया था। संसद ने 29 नवंबर को इन कानूनों को निरस्त कर दिया था, लेकिन किसानों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा।

जनरल रावत को पीएम मोदी ने किया नमन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कुन्नूर के पास एक दुखद हेलीकॉप्टर दुर्घटना में जान गंवाने वाले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी मधुलिका रावत और ब्रिगेडियर एल एस लिद्दर और कुछ अन्य के पार्थिव शरीर बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी लाए गए।पार्थिव शरीरों को भारतीय वायुसेना के सी-130 जे विमान से दिल्ली लाया गया, जो शाम करीब 7:35 बजे पालम हवाई अड्डे पर उतरा। पीएम मोदी,राष्ट्रपति व रक्षामंत्री ने पालम पहुंचकर श्रद्धांजलि दी।अधिकारियों ने कहा कि अभी तक केवल जनरल रावत, मधुलिका रावत और ब्रिगेडियर एल एस लिद्दर के पार्थिव शरीरों की पहचान की जा सकी है। उन्होंने कहा कि केवल पहचान किए गए पार्थिव शरीर ही बुधवार को दुखद हेलीकॉप्टर दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों को सौंपे जाएंगे।यह हेलीकॉप्टर दुर्घटना गत कुछ दशकों में भारत में हुई बड़ी हवाई दुर्घटनाओं में से एक है जिनमें वरिष्ठ सैन्य अधिकारी सफर कर रहे थे। दुर्घटना में मारे गए अन्य कर्मियों में लेफ्टिनेंट कर्नल हरजिंदर सिंह, विंग कमांडर पी एस चौहान, स्क्वाड्रन लीडर के सिंह, जेडब्ल्यूओ दास, जेडब्ल्यूओ प्रदीप ए, हवलदार सतपाल, नायक गुरसेवक सिंह, नायक जितेंद्र कुमार, लांस नायक विवेक कुमार और लांस नायक साई तेजा शामिल हैं।

13 मृतकों में से केवल तीन के शव की पहचान की गई

■ नई दिल्ली

तमिलनाडु में कुन्नूर के पास भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मारे गए 13 लोगों में से केवल प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी मधुलिका रावत और ब्रिगेडियर एल.एस. लिद्दर के शवों की पहचान की जा सकी है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केवल पहचान किए गए लोगों के शवों को उनके परिजनों को सौंपा जाएगा।

एक अधिकारी ने कहा, शेष शवों की सकारात्मक पहचान की प्रक्रिया जारी है। पार्थिव शरीर को पहचान संबंधी औपचारिकताएं पूरी होने तक सैन्य अड्डे अस्पताल के शवगृह में रखा जाएगा।

उन्होंने कहा कि हादसे में मारे गए सभी लोगों की सैन्य परंपरा के साथ उचित अंतएष्टि की योजना बनाई जा रही है और उनके परिवार के सदस्यों के साथ निकट परामर्श में समन्वय किया जा रहा है। तमिलनाडु में

कुन्नूर के निकट बुधवार को एमआई-17वी5 हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था जिसमें जनरल रावत, उनकी पत्नी और 11 अन्य कर्मियों की मृत्यु हो गई थी। अन्य मृतकों में ब्रिगेडियर एल.एस. लिद्दर, सीडीएस के सैन्य सलाहकार एवं स्टाफ अफसर लेफ्टिनेंट कर्नल हरजिंदर सिंह, विंग कमांडर पृथ्वी सिंह चौहान, स्क्वाड्रन लीडर कुलदीप सिंह, जूनियर वारंट अधिकारी राणा प्रताप दास, जूनियर वारंट अधिकारी अरक्कल प्रदीप, हवलदार सतपाल, नायक गुरसेवक सिंह, नायक जितेन्द्र कुमार, लांस नायक विवेक कुमार और लांस नायक वीर साई तेजा शामिल थे।

सीडीएस नियुक्ति: जनरल नरवणे दौड़ में आगे

■ नई दिल्ली

सरकार जल्द ही अगले सीडीएस की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करेगी। इस शीर्ष पद के लिए दौड़ में सबसे आगे सेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे हैं। जनरल बिपिन रावत की बुधवार को हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु के बाद यह पद खाली हो गया है। सरकार यह कदम तब उठा रही है जब कई सेवानिवृत्त सैन्य कमांडरों का कहना है कि जनरल नरवणे को इस पद पर नियुक्त करना विवेकपूर्ण कदम होगा

क्योंकि वह पांच महीने के अंदर सेना प्रमुख के पद से सेवानिवृत्त होने वाले हैं। इस मामले से अवगत लोगों ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार सेना, नौसेना और वायु सेना के वरिष्ठ कमांडरों की एक समिति बनाएगी।

तीनों सेनाओं से अगले दो-तीन दिनों के अंदर मिलने वाली अनुशंसा के आधार पर समिति को अंतिम रूप दिया जाएगा और फिर इसे मंजूरी के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भेजा जाएगा। रक्षा मंत्री से मंजूरी मिलने के बाद नामों पर विचार के लिए उन्हें कैबिनेट की नियुक्ति समिति के पास भेजा जाएगा जो भारत के अगले सीडीएस के नाम पर अंतिम निर्णय लेगी।

ममता का रूख राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरनाक

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने बृहस्पतिवार को कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का राज्य पुलिस को दिया गया कथित निर्देश राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संभावित खतरा है। ममता बनर्जी ने राज्य पुलिस को कथित तौर पर निर्देश दिया कि वे सुनिश्चित करें कि बीएसएफ अंतरराष्ट्रीय सीमा से 15 किलोमीटर के अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन नहीं कर पाए। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में धनखड़ ने बनर्जी से अपील की कि त्वरित उपयुक्त कदम उठाएं और जनहित एवं राष्ट्रीय हित में मुद्दे का समाधान करें।

धनखड़ ने पत्र में लिखा, सात दिसंबर को गंगा रामपुर में प्रशासनिक बैठक के दौरान बीएसएफ को लेकर दिए गए आपके निर्देश से काफी चिंतित हूं जिसमें बीएसएफ को 15 किलोमीटर के दायरे में अनुमति दी गई है वह भी राज्य पुलिस की अनुमति से। इस पत्र को उन्होंने ट्विटर पर भी साझा किया है जिसमें उन्होंने लिखा है, यह कानून के अनुरूप नहीं है या हाल में केंद्रीय गृह मंत्रालय की अधिसूचना के मुताबिक नहीं है जिसमें बीएसएफ को राज्य में अधिकार क्षेत्र 15 किलोमीटर से बढ़ाकर 50 किलोमीटर की दूरी तक किया गया था। आपके रूख से खराब संकेत गए हैं और संघीय राजनीति एवं राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए यह संभावित खतरा है।

अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानें 31 जनवरी तक निलंबित

■ नई दिल्ली

उड्डयन नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत अपनी निर्धारित अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों को अगले साल 31 जनवरी तक निलंबित रखेगा। डीजीसीए ने कोरोना वायरस स्वरूप ओमीक्रोन को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच एक दिसंबर को निर्णय किया था कि वह निर्धारित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को 15 दिसंबर से बहाल नहीं करेगा। उससे एक सप्ताह पहले ही उसने घोषणा की थी कि वह निर्धारित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को फिर से शुरू करेगा।

डीजीसीए ने बृहस्पतिवार को एक परिपत्र जारी करके कहा, सक्षम प्राधिकार ने भारत से आने-जाने वाली अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक यात्री सेवाओं के निलंबन को 31 जनवरी, 2022 को रात 11 बजकर 59 मिनट तक बढ़ाने का फैसला किया है। इसमें कहा गया है कि यह निलंबन सभी

अंतरराष्ट्रीय मालवाहक विमानों के संचालन और विशेष रूप से डीजीसीए द्वारा अनुमोदित उड़ानों पर लागू नहीं होगा।नियामक ने कहा, निर्धारित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को सक्षम प्राधिकारी द्वारा मामले के आधार पर चयनित मार्गों पर अनुमति दी जा सकती है। कोरोना वायरस महामारी के कारण भारत में 23 मार्च, 2020 से निर्धारित अंतरराष्ट्रीय यात्री सेवाओं को निलंबित कर दिया गया है। हालांकि वंदे भारत मिशन के तहत मई 2020 से और जुलाई 2020 से चुनिंदा देशों के साथ द्विपक्षीय एयर बबल व्यवस्था के तहत विशेष अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित हो रही हैं।

ईडी, सीबीआई के निदेशकों के कार्यकाल को मंजूरी

■ नई दिल्ली

लोकसभा ने केंद्रीय सतर्कता आयोग संशोधन विधेयक और दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन संशोधन विधेयक को बृहस्पतिवार को मंजूरी प्रदान कर दी जिसमें सार्वजनिक हित में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) तथा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशकों के कार्यकाल को एक बार में एक वर्ष बढ़ाने और पांच वर्ष की अवधि तक उसे विस्तार दिए जाने का प्रावधान है। अभी तक इनके कार्यकाल की सीमा दो वर्ष थी।

निचले सदन में विधेयकों पर हुई

चर्चा का जवाब देते कार्मिक, लोक शिकायत, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेन्द्र सिंह ने कहा कि इस विधेयक को लाने का मकसद यह है कि इससे जुड़े मुद्दों का वृहद अंतरराष्ट्रीय प्रभाव है क्योंकि विदेशी धनशोधन के मामले जुड़े होते हैं।

उन्होंने कहा कि वित्तीय कार्वाई कार्य बल (एफएटीएफ) ने भी यह सुझाव दिया है कि देशों को अपनी क्षमताओं को बढ़ाना चाहिए और एजेंसियों में उच्च मानदंडों को स्थापित करना चाहिए। सिंह ने कहा, अगर हमें उच्च वैश्विक मानदंडों को पूरा करना है तब हमारी दृष्टि आगे की ओर बढ़ने वाली होनी चाहिए। बाधा डालने वाला रुख विपरीत प्रभाव डालने वाला होगा। जितेन्द्र सिंह ने विपक्ष के कुछ सदस्यों की टिप्पणियों के हवाले से कहा कि इस विधेयक को बिना पढ़े ही निष्कर्ष निकाला जा रहा है और भ्रमित करने वाला बताया जा रहा है।

हेलीकॉप्टर दुर्घटना के मृतकों में राजस्थान के दो सैनिक शामिल

जयपुर। तमिलनाडु के कुन्नूर के पास हेलीकॉप्टर दुर्घटना के मृतकों की सूची में राजस्थान के दो सैनिकों स्क्वाड्रन लीडर कुलदीप सिंह एवं लेफ्टिनेंट कर्नल हरजिंदर सिंह का भी नाम शामिल है। एक सैन्य प्रवक्ता ने यहां बताया कि इस दुर्घटना में राजस्थान मूल के स्क्वाड्रन लीडर कुलदीप सिंह एवं लेफ्टिनेंट कर्नल हरजिंदर सिंह की भी मौत हो गई। हरजिंदर सिंह अजमेर एवं कुलदीप सिंह झुंझुनू जिले के रहने वाले थे।

कृषि आंदोलन लोगों को प्रेरित करेंगे

■ नई दिल्ली

बिहार के रहने वाले और एम.टेक कर चुके रैशाल आलम का कहना है कि वह अपने गांव वापस जाकर किसानों के आंदोलन की सफलता की कहानी सुनाएंगे ताकि लोगों को उनके अधिकारों के लिए लड़ने के लिए प्रेरित किया जा सके। केंद्र द्वारा किसानों की लंबित मांगों को स्वीकार किए जाने के साथ दिल्ली की सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन बृहस्पतिवार को स्थगित कर दिया गया। प्रदर्शन में शामिल 40 से ज्यादा किसान संगठनों का नेतृत्व करने वाले संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने कहा कि किसान 11 दिसंबर को दिल्ली की सीमाओं वाले विरोध स्थलों से घर लौट जाएंगे। एसकेएम को केंद्र सरकार द्वारा हस्ताक्षरित पत्र मिलने के बाद यह घोषणा हुई है। पिछले साल दिसंबर में बिहार के चंपारण निवासी आलम इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कतर जाने वाली अपनी बहन को विदा करने के लिए दिल्ली आए थे लेकिन कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन के प्रमुख स्थल गाजीपुर सीमा पर विरोध करने वाले किसानों के बीच कुछ दिनों के लिए रुकने का फैसला किया। आलम ने कहा, दो-तीन दिन रहने के बजाय मैंने यहां एक पूरा साल बिताया।

किसानों के आंदोलन की सफलता ने उम्मीद जगाई है कि हम अन्य जगहों पर भी इसी तरह की सफलता हासिल कर सकते हैं। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसानों ने केंद्र के कृषि कानूनों के विरोध में पिछले साल नवंबर में दिल्ली और उत्तर प्रदेश के बीच गाजीपुर सीमा पर प्रदर्शन शुरू किया था। किसानों के विरोध ने आलम जैसे कई युवाओं को भी आकर्षित किया था।

हादसा | हेलीकॉप्टर दुर्घटना : एयर मार्शल के नेतृत्व में जांच की घोषणा की

ब्लैक बॉक्स बरामद, रक्षामंत्री ने कहा जांच होगी

एजेंसी ■ कुन्नूर/नई दिल्ली

तमिलनाडु में दुर्घटनाग्रस्त हुए भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टर का फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर यानी ब्लैक बॉक्स बृहस्पतिवार को बरामद कर लिया गया। बुधवार को हुई इस दुर्घटना में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी और 11 अन्य की मौत हो गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में घोषणा की कि एयर मार्शल मानवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में तीनों सेनाओं के एक दल द्वारा इस हादसे की जांच की जाएगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में एक बयान में कहा कि जांच चल रही है और दुर्घटना में अकेला बचा सैन्य कर्मी वेलिंगटन में जीवन रक्षक प्रणाली पर है। वेलिंगटन दुर्घटनास्थल से ज्यादा दूर नहीं है।

उधर, भारतीय तिरंगे में लिपटे ताबूतों में पार्थिव शरीर सेना के सुसज्जित ट्रकों में वेलिंगटन में मद्रास रेजीमेंटल सेंटर ले जाए गए। वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों, तमिलनाडु के मंत्रियों और पूर्व सैनिकों ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। पार्थिव शरीर बाद में सड़क मार्ग से करीब 70 किलोमीटर दूर कोयंबटूर ले जाए गए, जहां से उन्हें भारतीय वायु सेना के एक विशेष विमान में नई दिल्ली ले जाया गया।

प्राधिकारियों ने ब्लैक बॉक्स की तलाश का दायरा दुर्घटनास्थल से 300 मीटर दूर से बढ़ाकर एक किलोमीटर तक कर दिया था, जिसके बाद इसे बरामद कर लिया गया। फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर समेत दो बॉक्स एक स्थान से बरामद किए गए हैं। हादसे की वजह का पता लगाने के लिए इन्हें दिल्ली या बेंगलुरू ले जाया जा सकता है। ब्लैक बॉक्स से बुधवार को पर्वतीय क्षेत्र में हुए इस हादसे से पहले के घटनाक्रम संबंधी अहम जानकारी मिलेगी। एमआई-17वी5 हेलीकॉप्टर के बुधवार को दुर्घटनाग्रस्त होने और आग लगने से उसमें सवार 63 वर्षीय रावत, उनकी पत्नी और 11 अन्य की मौत हो गई।

हादसे में केवल वायु सेना के ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह ही जीवित बचे हैं। वह प्रतिष्ठित डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज (डीएसएससी) में निदेशक हैं और उन्होंने सुलुर हवाई अड्डे पर जनरल रावत की अगवानी की थी जहां से वे हेलीकॉप्टर से वेलिंगटन रवाना हुए।

रक्षा मंत्री ने अपने बयान में कहा कि इस दुर्घटना में एकमात्र जीवित बचे ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह वेलिंगटन के सैन्य अस्पताल में जीवन रक्षक प्रणाली पर हैं और उन्हें बचाने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। दुर्घटना की जांच के लिए एयर मार्शल मानवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में तीनों सेनाओं के एक दल द्वारा जांच किए जाने का आदेश दिया गया है।

जो राजनीति में जाना चाहते हैं, एसकेएम छोड़ दें: दर्शन

■ नई दिल्ली

अलग अलग किसान संघों का संगठन संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) अब इस संगठन को राष्ट्रीय स्तर के मोर्चा के तौर पर पेश करने की तैयारी करेगा और जो किसान नेता राजनीति में जाना चाहते हैं, उन्हें इस संगठन को छोड़ देना चाहिए। यह कहना है एसकेएम की कोर समिति के सदस्य दर्शन पाल का।एसकेएम को गैर राजनीतिक रहना चाहिए।

पाल की टिप्पणी एसकेएम द्वारा केंद्र के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के साल भर से चल रहे आंदोलन को स्थगित करने के फैसले के बाद आई है।संगठन ने अगले साल 15 जनवरी को एक बैठक बुलाई है जिसमें देखा जाएगा कि क्या सरकार ने उसकी मांगों को पूरा किया है या नहीं। 15 जनवरी की बैठक में यह भी चर्चा होगी कि एसकेएम को राष्ट्रीय स्तर के मोर्चा के रूप में कैसे पेश किया जाए। जो किसान नेता राजनीति में जाना चाहते हैं उन्हें एसकेएम छोड़ देना चाहिए। एसकेएम गैर राजनीतिक रहेगा। उन्होंने कहा कि एसकेएम ने 19 नवंबर को 60 प्रतिशत जीत हासिल की थी जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि कानूनों को रद्द करने की घोषणा की थी और बृहस्पतिवार को 35 प्रतिशत जीत हासिल की।

झूठे वादों की महारथी है भाजपा : अखिलेश

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भाजपा को झूठे वादों की महारथी करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में निश्चित हार से डरी भाजपा बौखला गई है।अखिलेश यादव ने यहां एक बयान में कहा भाजपा सरकार विज्ञापन में नम्बर वन और शासन में शून्य है। उसे झूठे वादों में महारत हासिल है। मगर अब जनता सच्चाई से भलीभांति परिचित हो गई है।

जनता को भाजपा और समाजवादी सरकारों के बीच फर्क भी मालूम है। यादव ने कहा कि 2022 में प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में जनता के आक्रोश और अपनी हार से डरी भाजपा में बौखलाहट की स्थिति हैं।

ड्रैगन का दुस्साहसः चीन ने ताइवान के क्षेत्र में नौ विमान भेजे, इस माह पांचवीं बार की घुसपैठ

ताइपे। कई बार दी गई चेतावनी के बावजूद चीन पड़ोसी देशों को धमकाने और वहां कब्जा करने की रणनीति से बाज नहीं आ रहा है। उसने एक बार फिर ताइवान के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में नौ सैन्य विमानों को भेजा है। इस माह चीनी विमानों की यह पांचवीं घुसपैठ है। हालांकि ताइवान ने भी इसका जवाब दिया, जिसके बाद चीनी विमान वहां से भाग खड़े हुए। ताइवान न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, दो पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एयर फोर्स के शेनयांग जे-11 लड़ाकू विमान, एक शानक्सी वाई-8 पनडुब्बी रोधी युद्धक विमान, और एक शानक्सी वाई-8 टोही हवाई जहाज ने एडीआईजेड के दक्षिण-पश्चिम में उड़ान भरी। घुसपैठ के जवाब में, ताइवान ने विमान भेजे और पीएलएएएफ विमानों को ट्रैक करने के लिए वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली तैनात करते हुए रेडियो चेतावनी जारी की। यह तब हुआ जब बीजिंग लोकतांत्रिक द्वीप पर अपनी संप्रभुता का दावा करता है और ताइवान में सैन्य घुसपैठ बढ़ा रहा है। इस माह अभी तक चीन के 13 सैन्य विमानों ने ताइवान में घुसपैठ की है। ताइवान में चीन की बढ़ती सैन्य घुसपैठ के बीच अमेरिकी वाणिज्य मंत्री जीना एम. रायमोंडो ने ताइपे के लिए वाशिंगटन के समर्थन को दोहराया है। उन्होंने कहा, अमेरिका सामान्य हितों के वाणिज्यिक मुद्दों पर ताइवान के साथ चीनी तनाव के बावजूद काम करने को उत्सुक है। इस संबंध में रायमोंडो और ताइवान के आर्थिक मामलों के मंत्री वांग मेई-हुआ के बीच फोन पर बातचीत हुई।

चीन को सता रही घटती जनसंख्या की चिंता, लोगों पर 3 बच्चे पैदा करने का बढ़ा रहा दबाव

बीजिंग। बूढ़े हो रहे चीन को अब अपने देश की घटती जन्मदर की चिंता सताने लगी है। जनसंख्या बढ़ाने के लिए ड्रैगन अब अपने लोगों पर तीन बच्चे पैदा करने का दबाव बना रहा है। जबकि हकीकत यह है कि चीन की युवा पीढ़ी अब न तो शादी करना चाहती है और न ही बच्चे पैदा करने में रूचि दिखा रही है। चीन सरकार ने अ लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए कई प्रांतों में दंपतियों को तीसरी संतान के लिए गर्भावस्था व प्रसव के दौरान आने वाले खर्च में सब्सिडी देने और करों में छूट देने सहित कई सहायक उपायों की घोषणा की है। उसके इस कदम का उद्देश्य विश्व की सर्वाधिक आबादी वाले देश में जन्म दर में तेजी से हो रही कमी को रोकना है। चीन की राष्ट्रीय संसद नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) ने अगस्त में तीन संतान की नीति को औपचारिक मंजूरी दी थी। यह देश में गहराते जनासंख्यकीय संकट का हल करने का एक बड़ा नीतिगत कदम है। एनपीसी ने एक संशोधित जनसंख्या एवं परिवार नियोजन कानून पारित किया, जो चीनी दंपतियों को तीन संतान रखने की अनुमति देता है। यह संभवत- बच्चों के लालन-पालन पर आने वाले खर्च के कारण अधिक संतान रखने में चीनी दंपतियों के रुचि नहीं लेने की समस्या का समाधान करने के लिए उठाया गया कदम है। अगस्त में जनसंख्या एवं परिवार नियोजन कानून पारित किये जाने के बाद से चीन के 20 से अधिक प्रांतीय स्तर के क्षेत्रों ने अपने स्थानीय शिशु जन्म नियमों में संशोधन किये हैं। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की सोमवार की खबर के मुताबिक बीजिंग, शिचुआन और जियांक्सी सहित अन्य क्षेत्रों ने इस सिलसिले में कई सहायक उपायों की घोषणा की गई है। इनमें पितृत्व अवकाश देना, मातृत्व अवकाश एवं विवाह के लिए छुट्टी की अवधि बढ़ाना और पितृत्व अवकाश की अवधि बढ़ाना आदि शामिल है।

पूर्व अफगान गुरिल्ला कमांडर के बेटे ने ताजिकिस्तान में ब्लैकवाटर प्रमुख से की मुलाकात : रिपोर्ट

काबुल। दिवंगत पूर्व अफगान गुरिल्ला कमांडर अहमद शाह मसूद के बेटे अहमद मसूद ने ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में निजी सुरक्षा फर्म ब्लैकवाटर के संस्थापक एरिक प्रिंस से मुलाकात की है। खामा प्रेस के अनुसार रिपोर्टों ने उनकी बैठक की पुष्टि की है

लेकिन विवरण का खुलासा नहीं किया गया है। ब्लैकवाटर एक निजी अमेरिकी संगठन है जो विदेशों में अमेरिकी राजनयिक मिशनों और राजनयिकों को सुरक्षित करने के लिए अनुबंध प्राप्त करता है। खामा प्रेस ने बताया कि तालिबान द्वारा काबुल पर कब्जा करने और पंजशीर प्रांत के पतन के बाद अहमद मसूद अफगानिस्तान से भाग गया था। काबुल के उत्तर में पंजशीर जिसे तालिबान के खिलाफ प्रतिरोध मोर्चा के रूप में जाना जाता था, 90 के दशक में तालिबान के पांच साल के शासन के दौरान ध्वस्त नहीं हुआ था। विशेष रूप से अहमद शाह मसूद ने तालिबान से घाटी को बचाने की कसम खाई थी और कहा था कि वह 'ईश्वर, न्याय और स्वतंत्रता' के लिए अपने प्रतिरोध को कभी नहीं रोकेंगे।

डा.फॉसी बोले-डेल्टा के मुकाबले कम खतरनाक है ओमीक्रोन, फ्रांस में कोरोना के रिकार्ड 60 हजार नए मामले

वाशिंगटन। दक्षिण अफ्रीका में सबसे पहले मिले कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रोन ने दुनिया के सभी देशों को एक बार फिर से अलर्ट मोड में डाल दिया है। घातक कोरोना वायरस के नए वैरिएंट - ओमिक्रोन' से दुनिया भर में एक बार फिर डर का माहौल है। सभी वैज्ञानिक और शोधकर्ता इस पर रिसर्च में जुटे हैं। फ्रांस में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 59,019 नए मामले सामने आये जो नवंबर 2020 के बाद से दैनिक मामलों की रिकॉर्ड संख्या है। फ्रांस के स्वास्थ्य मंत्रालय से संबद्ध फ्रेंच पब्लिक हेल्थ एजेंसी के मुताबिक इसी अवधि में 168 मरीज अपनी जान गंवा बैठे। नए मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 80 लाख 94 हजार 445 हो गया है। वहीं इस बीमारी से मरने वालों की संख्या एक लाख 20 हजार 891 हो गई है। देश में 12,714 सक्रिय मामले हैं। एजेंसी के मुताबिक कि फ्रांस में पिछले 24 घंटों में छह लाख 87 हजार 498 लाभार्थियों को बूस्टर डोज दिए हैं। गत एक सितंबर से देश में बूस्टर डोज अभियान शुरू होने के बाद अब तक कुल एक करोड़ 16 लाख 19 हजार 831 लोगों को बूस्टर डोज दिये जा चुके हैं। फ्रांस सरकार ने देश में कोरोना की नयी लहर पर अंकुश लगाने के

लिए नए उपायों के तहत चार सप्ताह के लिए नाइट क्लबों को बंद करने तथा स्कूलों में फेस मास्क के उपयोग की अनिवार्यता और बच्चों के लिए टीकाकरण अभियान में तेजी लाने के दिशानिर्देश जारी किए हैं। इस बीच अमेरिका के संक्रामक बीमारियों के विशेषज्ञ डाक्टर एंथनी फॉसी का राहत भरा बयान आया है। उन्होंने कहा कि यह नया वैरिएंट पुराने वैरिएंट की तुलना में कम खतरनाक है। उन्होंने यह भी कहा कि ओमीक्रोन अत्यधिक संक्रामक है।

हालांकि उन्होंने कहा कि इसके लिए और डाटा की जरूरत है। डाक्टर फॉसी ने व्हाइट हाउस में एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि ओमीक्रोन से संक्रमण के प्रारंभिक मामलों को में गिने चुने मरीजों को ही अस्पताल की जरूरत पड़ी है या फिर आक्सीजन की भी खास जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह तक और डेटा मिल जाएगा।

डाक्टर ने कहा कि निश्चित निष्कर्ष पर पहुंचने में अभी कुछ समय और लगेगा। अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीकी देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगा दिया है। बता दें कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि यूरोप में पांच से 14 साल आयुवर्ग के बच्चों में कोरोना संक्रमण दर सबसे ज्यादा पाई गई है। वहीं, डेनमार्क में ओमिक्रोन वैरिएंट पूरे देश में फैल गया है और उसका सामुदायिक संक्रमण हो चुका है।

पीएम इमरान ने माना- पाक में धर्म की आड़ में हिंसा बढ़ी, ईशनिंदा के नाम पर गलत दिशा में जा रहा देश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार धर्म के नाम पर भीड़ की हिंसा को बर्दाशत नहीं करेगी और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को नहीं बख्शेगी। वह मारे गए श्रीलंकाई नागरिक प्रियंता कुमारा के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय में आयोजित एक शोक सभा को संबोधित कर रहे थे, जिनकी पिछले हफ्ते पंजाब प्रांत के सियालकोट में ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी और उसके शव को आग लगा दी थी। उन्होंने कहा, ''धर्म की आड़ में हिंसा करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।'' खान ने कहा कि सियालकोट की घटना ने देश को 'ऐसी घटनाओं को समाप्त करने÷ के लिए एक बिंदु पर ला खड़ा किया है। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि पाकिस्तान में लोग पवित्र पैगंबर के नाम पर दूसरों की हत्या कर रहे हैं और ईशनिंदा के आरोपी जेलों में सड़ रहे हैं क्योंकि वकील और न्यायाधीश ऐसे मामलों में सुनवाई करने से डरते हैं। खान ने कहा कि पाकिस्तान एकमात्र ऐसा देश है जिसकी

स्थापना इस्लाम के नाम पर हुई थी, लेकिन सियालकोट जैसी घटनाएं शर्म की बात हैं। उन्होंने कहा कि 'हम पूरी तरह से अलग दिशा में जा रहे हैं' और राष्ट्र को पैगंबर के जीवन का अध्ययन करना चाहिए।

कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के समर्थकों सहित 800 से अधिक लोगों की भीड़ ने पिछले शुक्रवार को लाहौर से लगभग 100 किलोमीटर दूर स्थित सियालकोट जिले में एक कपड़ा कारखाने पर हमला किया था और ईशनिंदा के आरोप में इसके महाप्रबंधक प्रियंता कुमारा दियावदनागे की हत्या कर दी थी तथा उनके शव को आग लगा दी थी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के मुताबिक, इस बर्बर घटना में दियावदनागे की लगभग सभी हड्डियां टूट गई थीं और उनका शरीर 99 फीसदी जल गया था। दियावदनागे का शव सोमवार को श्रीलंका भेज दिया गया था।

पाकिस्तान के फैसलाबाद में एक कारखाने में मैकेनिकल इंजीनियर की नौकरी मिलने के बाद दियावदनागे 2011 में पाकिस्तान पहुंचे थे। एक साल बाद, वह सियालकोट की राजको इंडस्ट्रीज में महाप्रबंधक के रूप में शामिल हो गए और वह इस कारखाने में काम करने वाले एकमात्र श्रीलंकाई नागरिक थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी निलुशी और 14 तथा नौ वर्षीय दो बेटे हैं। निलुशी ने पाकिस्तान सरकार से अपने पति की हत्या के मामले में न्याय और मुआवजे की अपील की है तथा पाकिस्तानी धरती पर सभी श्रीलंकाई लोगों की सुरक्षा का आग्रह किया है। खान ने कहा कि सियालकोट के व्यापारिक समुदाय ने मृतक श्रीलंकाई नागरिक के परिवार के लिए 100,000 डॉलर एकत्र किए हैं। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को जीवनपर्यंत अवधि के लिए उनका (मृतक) मासिक वेतन मिलेगा।

विदेश सचिव श्रृंगला ने बांग्लादेशी नेताओं से की मुलाकात, बढ़ते द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की

ढाका। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के ढाका दौरे से पहले विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने मंगलवार को बांग्लादेश के शीर्ष नेताओं से यहां मुलाकात की और कोविड-19 महामारी से निपटने समेत दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग की समीक्षा की। यहां दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर पहुंचे श्रृंगला ने अपने समकक्ष मसूद बिन मोमिन से भी मुलाकात की और सभी मोर्चों पर द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति पर चर्चा की। बांग्लादेश में भारतीय उच्चायोग ने एक ट्वीट में कहा कि अपने समकक्ष के साथ मुलाकात के दौरान विदेश सचिव ने ÷भारत और बांग्लादेश के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होने के 50 साल पूरे होने पर विशेष वर्ष में सभी मोर्चों पर द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति पर चर्चा की।÷ वार्ता के बाद मीडिया से श्रृंगला ने कहा कि भारत और बांग्लादेश के बीच लंबित द्विपक्षीय मुद्दों के संदर्भ में कोई अहम मतभेद नहीं है। इस दौरान उनके साथ अपने समकक्ष विदेश मंत्री ए के अब्दुल मोमिन भी थे। वहीं मसूद ने बातचीत को सार्थक बताते हुए कहा कि उन्होंने सभी लंबित मुद्दों के अलावा 'चर्चा की कि हम अपनी सीमाओं को कैसे शांतिपूर्ण बना सकते हैं।'

चीन की क्रूरताः हिरासत केंद्र में बंदी की मदद करने वाले उइगर पुलिसकर्मी की ले ली जान

बीजिंग। चीन सरकार अशांत शिनजियांग प्रांत में मुस्लिमों और अन्य अल्पसंख्यकों को क्रूरता से हिरासत शिविरों में बंद कर उनपर अत्याचार कर रही है। चीन की शी जिनपिंग की सरकार द्वारा सुनियोजित तरीके से उइगरों का दमन किया जा रहा है। मानवाधिकारों के हनन को लेकर चीन की एक और करतूत सामने आई है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार चीन ने एक उइगर पुलिस कर्मी को शिनजियांग के हिरासत केंद्र में एक बंदी की मदद करने पर मौत के घाट उतार दिया। इस संबंध में कुछ दिन पहले एक रिपोर्ट में कहा गया था कि हिरासत केंद्र में एक उइगर पुलिस कर्मी ने आत्महत्या लेकिन अब सामने आया है कि उसे मारा गया था। वाशिंगटन स्थित प्रकाशन RFA ने कहा कि नूरमेमेट युसुप की अगस्त के पहले सप्ताह के दौरान रहस्यमय परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी। एक सूत्र का हवाला देते हुए RFA ने कहा कि मौत का कारण तुरंत स्पष्ट नहीं था। बाद में पुलिस अधिकारियों ने कहा कि नूरमेमेट ने पूछताछ के दौरान आत्महत्या कर ली। शिनजियांग की राजधानी में पुलिस स्टेशन में काम करने वाले नूरमेमेट को जुलाई के अंत में एक अपराधी के साथ सहानुभूति रखने के संदेह में गिरफ्तार किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार उइगर पुलिस अधिकारी के बारे में कहा गया था कि उन्होंने ÷एक शिविर बंदी के चेहरे से उल्टी का खून पोंछ दिया था जिसके बाद नूरमेमेट को मौत के घाट उतार दिया गया। उरुमकी के उलानबे जिले के एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि नूरमेमेट की मौत एक राजकीय रहस्य थी और अधिकारियों को कारण का खुलासा नहीं करने के लिए एक विशेष नोटिस जारी किया गया था। उन्होंने कहा कि 'हम इस मामले को जानते हैं, लेकिन यह एक राज्य रहस्य है,' । 'हम आपको इस बारे में कुछ नहीं बता सकते।' बता दें कि चीन को उइगर मुसलमानों को सामूहिक निरोध शिविरों में भेजने, उनकी धार्मिक गतिविधियों में हस्तक्षेप करने और समुदाय के सदस्यों को किसी प्रकार की जबरन पुनर्शिक्षा या शिक्षा से गुजरने के लिए विश्व स्तर पर फटकार लगाई जा रही है।

फ्रांसः पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या में संदिग्ध सऊदी अरब का पूर्व शाही गार्ड गिरफ्तार

मास्को। चीन सरकार अशांत शिनजियांग प्रांत में मुस्लिमों और अन्य अल्पसंख्यकों को क्रूरता से हिरासत शिविरों में बंद कर उनपर अत्याचार कर रही है। चीन की शी जिनपिंग की सरकार द्वारा सुनियोजित तरीके से उइगरों का दमन किया जा रहा है। मानवाधिकारों के हनन को लेकर चीन की एक और करतूत सामने आई है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार चीन ने एक उइगर पुलिस कर्मी को शिनजियांग के हिरासत केंद्र में एक बंदी की मदद करने पर मौत के घाट उतार दिया। इस संबंध में कुछ दिन पहले एक रिपोर्ट में कहा गया था कि हिरासत केंद्र में एक उइगर पुलिस कर्मी ने आत्महत्या लेकिन अब सामने आया है कि उसे मारा गया था। वाशिंगटन स्थित प्रकाशन RFA ने कहा कि नूरमेमेट युसुप की अगस्त के पहले सप्ताह के दौरान रहस्यमय परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी। एक सूत्र का हवाला देते हुए RFA ने कहा कि मौत का कारण तुरंत स्पष्ट नहीं था। बाद में पुलिस अधिकारियों ने कहा कि नूरमेमेट ने पूछताछ के दौरान आत्महत्या कर ली। शिनजियांग की राजधानी में पुलिस स्टेशन में काम करने वाले नूरमेमेट को जुलाई के अंत में एक अपराधी के साथ सहानुभूति रखने के संदेह में गिरफ्तार किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार उइगर पुलिस अधिकारी के बारे में कहा गया था कि उन्होंने 'एक शिविर बंदी के चेहरे से उल्टी का खून पोंछ दिया था जिसके बाद नूरमेमेट को मौत के घाट उतार दिया गया ।उरुमकी के उलानबे जिले के एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि नूरमेमेट की मौत एक राजकीय रहस्य थी और अधिकारियों को कारण का खुलासा नहीं करने के लिए एक विशेष नोटिस जारी किया गया था। उन्होंने कहा कि 'हम इस मामले को जानते हैं, लेकिन यह एक राज्य रहस्य है,' । 'हम आपको इस बारे में कुछ नहीं बता सकते।' बता दें कि चीन को उइगर मुसलमानों को सामूहिक निरोध शिविरों में भेजने, उनकी धार्मिक गतिविधियों में हस्तक्षेप करने और समुदाय के सदस्यों को किसी प्रकार की जबरन पुनर्शिक्षा या शिक्षा से गुजरने के लिए विश्व स्तर पर फटकार लगाई जा रही है।

आंग सान सू कीः म्यांमार की अपदस्थ नेता पर कई आरोप, दोषी साबित हुई तो मिल सकती है 100 साल कैद की सजा

मास्को। नोबेल विजेता और म्यांमार की अपदस्थ नेता आंग सान सू की को कोरोना नियमों के उल्लंघन करने के लिए दो साल की जेल की सजा सुनाई गई है। पहले चार साल की सजा सुनाई गई थी लेकिन बाद में इसे दो साल कम कर दिया गया। स्टेट टीवी के मुताबिक, सू की को मूल रूप से चार साल की सजा सुनाई गई थी, लेकिन देश के सैन्य प्रमुखों द्वारा उसे आधा कर दिया गया यानी दो साल की सजा को कम कर दिया गया। दरअसल, आंग सान सू की पर कई आरोप हैं। सू की अगर सभी आरोपों में दोषी पाई जाती हैं तो उन्हें 100 साल से अधिक की सजा मिल सकती है।

बता दें कि आंग सान सू पर भ्रष्टाचार, आधिकारिक गुप अधिनियम उल्लंघन, दूरसंचार कानून और कोरोना नियमों के उल्लंघन सहित कई आरोप लगे हैं। हालांकि, सू की ने सेना द्वारा लगाए गए आरोपों से इनकार किया है। संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ और यूके सरकार सहित कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने कोर्ट के इस फैसले और जेल की सजा की निंदा की है। सभी ने मुकदमे

को राजनीति से प्रेरित बताया। अदालत के इस फैसले के बाद म्यांमार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आंग सान सू की को दी गई सजा से यह पता चलता है कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है और सेना प्रमुख ने केवल 'मानवता के आधार' पर उनकी सजा को कम कर दिया है। बता दें कि बीते दिनों म्यांमार की अदालत ने नागरिक वहां की जननेता आंग सान सू की को सेना के खिलाफ असंतोष भड़काने और कोरोना नियमों का उल्लंघन करने के लिए चार साल जेल की सजा सुनाई थी जिसे बाद में दो साल कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, आंग सान सू की के खिलाफ मामलों को व्यापक रूप से उन्हें बदनाम करने और अगला चुनाव लड़ने से रोकने के लिए साजिश के रूप में देखा जा रहा है। देश का संविधान किसी को भी जेल की सजा सुनाए जाने पर उच्च पद पर आसीन होने या सांसद-विधायक बनने से रोकता है। म्यांमार में गत नवंबर में हुए चुनाव में सू ची की पार्टी को एकतरफा जीत मिली थी, जबकि सेना से संबद्ध दल को कई सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था। उस समय सेना ने मतदान में धांधली का आरोप लगाया था लेकिन स्वतंत्र चुनाव पर्यवेक्षकों को जांच में धांधली का पता नहीं चला। इस साल की शुरुआत में अमेरिका शिनजियांग में चीनी कार्रवाइयों को 'नरसंहार' घोषित करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया। फरवरी में, कनाडा और डच दोनों संसदों ने उइगर संकट को नरसंहार के रूप में मान्यता देने वाले प्रस्तावों को अपनाया। ऐसा करने वाली यूरोप की पहली संसद बनी। अप्रैल में यूनाइटेड किंगडम ने भी शिनजियांग में चीन की चल रही कार्रवाई को 'नरसंहार' घोषित किया।

शर्मनाकः पाकिस्तान में महिलाओं के कपड़े उतरवाकर की लाठी-डंडों से पिटाई, सड़क पर नग्न अवस्था में कराई गई परेड

इस्लामाबाद। पाकिस्तान से इंसानियत तो शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां के पंजाब प्रांत के फैसलाबाद में चार महिलाओं के साथ बदसलूकी की गई। बीच सड़क पर उनके कपड़े उतरवाए गए, इसके बावजूद लोग नहीं माने और लाठी-डंडो से उनकी पिटाई भी की। घटना का पूरा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। करीब एक घंटे तक चले इस घटनाक्रम में चारों महिलाएं दया की भीख मांगती हुई नजर आ रही हैं।

दुकान से चोरी का लगाया आरोप

पीड़ित महिलाओं ने बताया कि वे फैसलाबाद के एक बाजार

में कूड़ा बीनने गई हुई थीं। इसी बीच उनको प्यास लगी तो वे उस्मान इलेक्ट्रिक स्टोर पर जाकर पानी की बोतल मांगने लगीं। लेकिन दुकान मालिक सद्दाम ने उन्हें दुकान से चोरी करने वाला समझ लिया और आरोप लगाकर पिटाई शुरू कर दी। इसी बीच वहां भीड़ इकट्ठा हो गई। भीड़ ने महिलाओं के कपड़े उतरवाए, उन्हें सड़क पर नंगा चलाया और उनकी पिटाई भी की।

वीडियो वायरल होने बाद हरकत में आई पुलिस

घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आई। पंजाब पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि मामले में पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि सभी को गिरफ्तार भी किया गया है, मामले की जांच चल रही है।

चीन को एक और झटका : ऑस्ट्रेलिया भी बीजिंग ओलंपिक का राजनयिक बहिष्कार करेगा, कनाडा भी कर रहा विचार

सिडनी। अमेरिका के बाद ऑस्ट्रेलिया ने भी बीजिंग ओलंपिक का राजनयिक बहिष्कार करने का फैसला कर चीन को बड़ा झटका दे दिया है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने बीजिंग ओलंपिक के राजनयिक बहिष्कार की बात कही है। इससे पहले चीन के कमजोर मानवाधिकार रिकॉर्ड के चलते अमेरिका ने 2022 के शीतकालीन ओलंपिक खेलों का कूटनीतिक बहिष्कार करने की घोषणा की थी।

अमेरिका के इस कदम को चीन के लिए कड़ा संदेश माना जा रहा था। हालांकि, अमेरिका के इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने कहा कि अमेरिका का खेलों के राजनयिक बहिष्कार का फैसला ओलंपिक भावना का उल्लंघन है। अमेरिका ने यह एलान ऐसे समय पर किया है जब चीन ने इस तरह के राजनयिक बहिष्कार के खिलाफ 'जवाबी कार्रवाई' करने का संकल्प लिया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने कहा कि अमेरिकी खिलाड़ी इन ओलंपिक खेलों में हिस्सा लेंगे और खिलाड़ियों को हमारा पूरा समर्थन मिलेगा लेकिन हम खेलों से जुड़े विभिन्न समारोहों का हिस्सा नहीं बनेंगे। वाशिंगटन ने महीनों तक विचार के बाद यह फैसला लिया है। शीतकालीन ओलंपिक्स अगले वर्ष फरवरी में आयोजित होने हैं। साकी ने कहा, चीन के शिनजियांग में मानवाधिकारों के हनन और अत्याचार को देखते हुए अमेरिकी राजनयिक इन खेलों को आम घटनाक्रम की तरह लेंगे। हम चीन और उसके बाहर मानवाधिकार को बढ़ावा देने के लिए काम करते रहेंगे। बता दें कि चीन पर शिनजियांग, तिब्बत और हांगकांग में मानवाधिकार हनन के कई आरोप लगे हैं। अमेरिकी फैसले पर आपत्ति जताते हुए चीन ने चेताया, यदि वाशिंगटन फरवरी के शीतकालीन ओलंपिक खेलों का राजनयिक बहिष्कार करता है तो बीजिंग इस पर जवाबी कार्रवाई करेगा। अमेरिका में चीनी दूतावास के प्रवक्ता लियु पेंग्यु ने कहा कि यदि अमेरिका ऐसा करता है तो यह राजनीतिक तौर पर भड़काने वाली कार्रवाई होगी। चीन ने कहा, यह कदम दिखावापूर्ण और ओलंपिक चार्टर भावना की गंभीर विकृति है। पेंग्यु ने बाइडन प्रशासन का फैसला एक सियासी हेरफेर बताते हुए कहा, इसका आयोजन की सफलता पर कोई असर नहीं पड़ेगा। बीजिंग में 2022 शीतकालीन ओलंपिक खेलों के कूटनीतिक बहिष्कार के बारे में अमेरिकी फैसले से कनाडा अवगत है।

दिल्ली-एनसीआर में 24 घंटे में बदलेगा मौसम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर समेत समूचे उत्तर भारत में मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदल गया है। बृहस्पतिवार सुबह दिल्ली-एनसीआर के लोगों को ठंड का अहसास हुआ, लेकिन दिन चढ़ने के साथ गर्मी महसूस होने लगी। कुलमिलाकर सुबह और शाम ठंड और दिन में गर्मी का दौर अब भी जारी है। इस बीच भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक, अगले 24 घंटे के दौरान दिल्ली-एनसीआर में मौसम फिर करवट लेगा। उत्तरी दिशा से आने वाली ठंडी हवाओं के कारण तेजी से तापमान लुढ़कने की संभावना है। इस बीच मौसम विभाग का यह भी पूर्वानुमान है कि अगले 24 घंटे में अधिकतम तापमान 24 व न्यूनतम तापमान नौ डिग्री सेल्सियस रह सकता है। पहाड़ों पर बर्फबारी का दौर शुरू होने के बाद दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में भी सुबह-शाम ठिठुरन बढ़ गई है, लेकिन दिन में गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। इस बीच मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि 10 दिसंबर से उत्तरी हिमालय से आने वाली सर्द हवाएं दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में ठिठुरन को बढ़ाएगी।

इसके बाद सुबह और शाम को न्यूनतम और अधिकतम पारे में कमी आएगी और इससे ठंड में भी इजाफा होगा। पिछले कुछ दिनों से चल रही हवाओं ने दिल्ली-एनसीआर का वायु प्रदूषण काफी कम कर दिया है। वायु गुणवत्ता एवं मौसम पूर्वानुमान और अनुसंधान प्रणाली के मुताबिक दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक आज 208 (खराब श्रेणी में) है। वहीं, यह भी जानकारी सामने आ रही है कि दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता खराब होने की वजह धुंध है। गौरतलब है कि दीवाली के बाद से दिल्ली-एनसीआर की हवा लगातार जहरीली बनी हुई है। नवंबर से अब तक यह तीसरा मौका है, जब दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 से नीचे है।

दिल्ली में कोरोना से हालात हुए गंभीर

नई दिल्ली,एजेंसी। करीब चार महीने तक कोरोना संक्रमण नियंत्रण में रहने के बाद एक बार फिर गंभीर मामले सामने आने लगे हैं। बृहस्पतिवार तक लोकनायक अस्पताल में आठ मरीजों को आईसीयू में शिफ्ट किया जा चुका है। इनमें ज्यादातर विदेश से लौटकर आए संक्रमित मरीज हैं। वहीं ओमिक्रॉन संक्रमित मरीज की हालत अभी स्थिर बताई जा रही है।

अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार ओमिक्रॉन को देखते हुए दिल्ली सरकार ने लोकनायक अस्पताल सहित आठ केंद्र दिल्ली में बनाए हैं। इनमें सबसे अधिक मरीज लोकनायक अस्पताल में भर्ती हैं। यहां कुल कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 40 हो चुकी है और इनमें से आठ रोगियों को पिछले चार दिन में एक के बाद एक आईसीयू में शिफ्ट करना पड़ा है।

पिछले महीने से 1.5 गुना से ज्यादा का अब नहीं आएगा आपका पानी का बिल

नई दिल्ली। दिल्ली के जल मंत्री और दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के अध्यक्ष सत्येंद्र जैन ने गुरुवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की।बैठक में दिल्ली जल बोर्ड की राजस्व प्रबंधन प्रणाली को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

दिल्ली के जल मंत्री एवं दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के अध्यक्ष सत्येंद्र जैन ने गुरुवार शाम ट्वीट कर यह जानकारी दी कि दिल्ली जल बोर्ड ने आज अपने बिलिंग सिस्टम को अपडेट कर दिया है। अब आपका बिल पिछले महीने के 1.5 गुना से ज्यादा नहीं हो सकता। यदि बिल इससे अधिक हो जाता है, तो आपको दिल्ली जल बोर्ड की तरफ से एक स्पष्टीकरण दिया जाएगा और इसके तर्ज़ पर ग्राहक शिकायत दर्ज करा सकते हैं। दिल्ली जल बोर्ड किसी भी प्रकार की गलती के लिए जवाबदेह और उत्तरदायी होगा। अधिकतर उपभोक्ता अपने बिलों का भुगतान सही मानते हुए करते हैं और द्विमासिक बिलिंग चक्र में खपत पैटर्न में बदलाव को महसूस नहीं करते हैं।

राजस्व अधिकारियों के साथ मंत्री सत्येन्द्र जैन की चली इस लंबी बैठक में इन मुद्दों को सामने लाया गया और गलत बिल बनाने की इस प्रक्रिया को रोकने के लिए निम्नलिखित ऐतिहासिक कदम उठाए गए।

यह लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

1. पिछले बिल की तुलना में पानी की खपत 50 फीसद से अधिक या कम होने पर मीटर रीडर के टैबलेट से बिलिंग रोकने के लिए एक सिस्टम चेक होगा। मीटर रीडिंग द्वारा लिए गए फोटो के अनुसार पानी की खपत की पुष्टि के बाद ही जेडआरओ कार्यालय द्वारा बिल जनरेट किया जा सकता है। यह कदम गलत रीडिंग बिलों पर अंकुश लगाएगा, जो बनाए जा रहे थे।

2. राजस्व अधिकारियों द्वारा सिस्टम में रेंडम आधार पर रोज़ाना मीटर रीडिंग इमेज ऑडिट किया जाएगा। यह निर्णय एक ऐतिहासिक निर्णय में से एक होगा। इससे व्यवस्था में पूरी पारदर्शिता आएगी। इस व्यवस्था पर दिल्ली जल बोर्ड द्वारा कड़ी निगरानी रखी जाएगी। जिससे सिस्टम में हेर-फेर की संभावना न के बराबर हो जाएगी। इससे मौजूदा बिलिंग प्रणाली से संबंधित सभी खामियों को भी दूर किया जा सकेगा। जिससे कि सिस्टम में पारदर्शिता आएगी और काम पहले और आसान हो जाए।

3. दिल्ली जल बोर्ड अपने विजिलेंस सिस्टम को मजबूत करेगा। टैबलेट द्वारा अपलोड किए गए अनुचित फोटो के मामले में मीटर इंस्पेक्टर दोबारा जांच करेंगे और रीडिंग में गलतियों के मामले में मीटर रीडर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मीटर रीडिंग का फोटो सही नहीं आता है, तो इस स्थिति में मीटर निरीक्षक साइट का दौरा कर रीडिंग फोटो की जांच करेंगे। यदि मीटर रीडिंग फोटो में किसी प्रकार की गड़बड़ी होगी, तो मीटर रीडर के खिलाफ सख्त कारवाई की जाएगी। इसके कारण बिलिंग प्रणाली में 100 फीसदी पारदर्शिता तथा किसी भी प्रकार की हेरा- फेरी नहीं होगी। वर्तमान में दिल्ली जल बोर्ड के 41 जोनों में लगभग 26.50 लाख उपभोक्ताओं की रीडिंग लेने वाले लगभग 900 मीटर रीडर हैं। इनमें से लगभग 18 लाख उपभोक्ता मुफ्त पानी योजना के तहत जीरो बिल का लाभ उठाते हैं।

4. मीटर रीडर के लिए रोटेशन सिस्टम भी बिलिंग सिस्टम को मजबूत और पारदर्शी बनाने में मदद करेगा। इस रोटेशन सिस्टम में हर बिलिंग साइकल में मीटर रीडर्स बदले जाएंगे। इसके द्वारा मीटर रीडर और ग्राहक में किसी भी प्रकार का सबंध नहीं बनेगा, जिसके कारण किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को खत्म किया जा सकेगा।

केजरीवाल सरकार का अहम फैसला

यमुना में गिरने वाले गंदे पानी को ट्रीट करेगी केजरीवाल सरकार

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अगले दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले यमुना को साफ करने का लक्ष्य रखा है। यमुना में गिरने वाले लगभग 155 एमजीडी (मिलियन गैलन प्रति दिन) गंदगी का स्रोत पड़ोसी राज्य हैं, जिनमें 15 एमजीडी हरियाणा के ड्रेन नंबर 6 के माध्यम से, 90 एमजीडी बादशाहपुर ड्रेन के माध्यम से और 50 एमजीडी उत्तर प्रदेश से आता है। दिल्ली सरकार यमुना को साफ करने की दिशा में तेज़ी से काम कर रही है और इसलिए दिल्ली सरकार ने पड़ोसी राज्यों से यमुना में गिरने वाले सभी प्रकार की गंदगी को ट्रीट करने का जिम्मा उठाया है। इसी सिलसिले में गुरूवार की सुबह दिल्ली के जल मंत्री एवं दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के अध्यक्ष सत्येंद्र जैन ने नरेला स्थित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का दौरा कर मुआयना कर किया। इस मौके पर उन्होने कहा कि जिस प्रकार लगातार यमुना में पड़ोसी राज्यों की ओर से गंदा पानी और औद्योगिक अपशिष्ट बहाया जा रहा है, वह काफी चिंताजनक है। ऐसी स्थिति में केजरीवाल सरकार ने दूसरे राज्यों से आने वाले गंदे पानी को भी साफ करने का निर्णय लिया है। हालाँकि यह काम उन पड़ोसी राज्यों का ही है, लेकिन हमारा मानना है कि यमुना किसी राज्य की नहीं है, बल्कि देश की नदी है। इसलिए दिल्ली सरकार ने यमुना में गिरने वाले हर प्रकार के गंदे पानी को ट्रीट करने का फैसला किया है और नरेला स्थित एसटीपी में इसकी शुरुआत कर दी गई है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने कुछ महीनों पहले यमुना को साफ करने के लिए 6 स्टेप एक्शन प्लान तैयार किया था। इसमे पड़ोसी राज्यों से आने वाले सिवेज़ एवं नालों के पानी को यमुना में गिरने से रोकने का प्लान भी शामिल है। इसी के तहत दिल्ली जल बोर्ड ने ड्रेन नंबर 6 के ज़रिये हरियाणा से आने वाले 15 एमजीडी सिवेज़ को नरेला एसटीपी में रोककर उसे साफ करने का काम शुरू कर दिया गया है। इसके मद्देनजर नरेला एसटीपी की क्षमता को 10 एमजीडी से बढ़ाकर 20 एमजीडी करने के निर्देश दे दिये गए हैं, ताकि अब यहाँ ड्रेन नंबर 6 के ज़रिये आने वाले हरियाणा के 15 एमजीडी सिवेज़ को भी ट्रीट किया जा सके।

री-साइकल किए गए पानी से दिल्ली सरकार टिकरी खुर्द में मौजूद एक झील को पुनर्जीवित करेगी, जिससे भूजल को रीचार्ज करने में मदद मिलेगी। टिकरी खुर्द स्थित झील को पुनर्जीवित करने से न सिर्फ पर्यावरण को दूषित होने से बचाया जा सकेगा, बल्कि दिल्ली में घट रहे भूजल स्तर को सुधारने में भी मदद मिलेगी और प्राकृतिक पारितंत्र को भी सुधारेगा। इसके अलावा, मंत्री सत्येद्र जैन ने ड्रेन नंबर 6 के 10 किलोमीटर के हिस्से को साफ कर उसे भी रीचार्ज जोन की तरह विकसित करने का निर्देश दिया।

केजरीवाल सरकार ने कुछ महीनों पहले यह फैसला लिया था कि वह पड़ोसी राज्यों से आने वाले सिवेज़ के पानी को यमुना में नहीं गिरने देगी। दिल्ली में तकरीबन 500 एमजीडी गंदा पानी दिल्ली सरकार के 35 एसटीपी में ट्रीट किया जाता है। दिल्ली सरकार का मानना है कि अगर यह 500 एमजीडी पानी री-साइकल होने के बाद तालाब के माध्यम से भूजल में रिसकर वापस चला जाए तो इससे दिल्ली के भूजल स्तर में काफी सुधार होगा।

नरेला में बने एसटीपी की क्षमता 10 एमजीडी है, जिसको अत्याधुनिक तकनीक की मदद से बढ़ाकर 20 एमजीडी किया जाएगा । नरेला स्थित इस एसटीपी में हरियाणा से आने वाली गंदगी को साफ करने का काम शुरु कर दिया गया है और एसटीपी की क्षमता बढ़ाने का काम साथ-साथ चल रहा है। दिल्ली सरकार इस ट्रीट किए गए पानी से टिकरी खुर्द के पास मौजूद एक तालाब को पुनर्जीवित करेगी, जिससे भूजल स्तर को ठीक करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही दिल्ली सरकार यहाँ बायो- गैस प्लांट बनाएगी, ताकि यहाँ मौजूद कूड़े व मलबों से बायो चारकोल बनाया जा सके।

टिकरी खुर्द में बनेगी नई झील, भूजल स्तर में होगा ज़बरदस्त इजाफा, लाखों लोगो को मिलेगा फायेदा

डीजेबी लगभग 1 से 1.5 एकड़ के तालाबों को जल निकायों और बड़े तालाबों को झीलों के रूप में वर्गीकृत करता है। पानी के स्रोत को सुनिश्चित करने के लिए झीलों को मौजूदा उपचार संयंत्रों से जोड़ा जा रहा है। दिल्ली सरकार अपनी झीलों के शहर परियोजना के तहत टिकरी खुर्द में नरेला एसटीपी से निकलने वाले री-साइकल किए गए पानी का उपयोग करके झील की कायाकल्प करेगी। यह झीलों का शहर परियोजना 2018 में शहर की रोज़ाना होने वाली पानी की मांग को पूरा करने के लिए भूजल को रिचार्ज करके और री-साइकल किए गए पानी को पुनर्चक्रित करके पानी की आपूर्ति के लिए शुरू की गई थी।

पूरे विधि-विधान के साथ तेजस्वी ने लिये सात फेरे

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में लालू यादव के छोटे बेटे तेजस्वी यादव की शादी हो गई। पहले सगाई की रस्में पूरी की गई, इसके बाद जयमाल और उसके बाद शादी की अन्य रस्में पूरी की गई। पूरे हिन्दू रीति रिवाज के साथ विधि-विधान से शादी की रस्में पूरी हुई। तेजस्वी की शादी की तस्वीरें सामने आने के साथ ही बिहार की राजधानी पटना समेत अन्य जिलों में भी जश्न शुरू हो गया है। राजद के कार्यालयों में मिठाइयां बंटने लगीं। जयमाल के स्टेज पर पहुंचते ही शादी की तस्वीरें सामने आई और तेजी से वायरल हुई। जयमाल के बाद सबसे पहले ग्रुप फोटोग्राफी शुरू हुई। तेजस्वी की बहन रोहिणी ने कई तस्वीरें शेयर करते हुए बधाइयां दी। बताया जाता है कि रोहिणी शादी में नहीं पहुंच सकी हैं। वह फिलहाल सिंगापुर में हैं। हालांकि लालू परिवार की तरफ से सबसे पहले शादी की आधिकारिक जानकारी भी रोहिणी ने ही दी थी।

रोहिणी के बाद तेज प्रताप ने जयमाल होने की जानकारी साझा की। उससे पहले सगाई की बातें लोगों को पता थी। तेज प्रताप के बताने और जयमाल की तस्वीरें सामने आने के बाद यह पुष्ट हो गया कि तेजस्वी की शादी हो गई है। शादी की जो तस्वीरें सामने आई है उसमें तेजस्वी और उनकी दुल्हन राजश्री के साथ ही बहन सांसद मीसा यादव दिखाई दे रही हैं। तेजस्वी ने गोल्डेन कलर का सूट पहन रखा है। राजश्री गोल्डेन गोटे वाले लाल कलर के जोड़े में हैं।

उनके बगल में लाल रंग के सूट में मीसा दिखाई दे रही हैं। जिस समय जयमाला का कार्यक्रम हुआ तेज प्रताप मौजूद नहीं थे। वह पहुंचे तो जयमाल हो चुकी थी। उनके पहुंचते ही स्टेज पर दुल्हन ने तेज प्रताप का पैर छूकर आशीर्वाद लिया। दिल्ली के सैनिक फार्म इलाके में हो रही शादी में बड़े नेताओं में सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी पहुंचे हैं। मुलायम के परिवार में लालू की छोटी बेटी की शादी हुई है। रिश्तेदार होने के नाते अखिलेश यहां मौजूद हैं। अखिलेश लालू और तेज प्रताप के साथ बैठे दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद बिहार की राजधानी पटना में जश्न शुरू हुआ तो राजद प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह भी मीडिया के सामने आए। उन्होंने बताया कि यह बात पहले से पता थी कि 9 दिसंबर को शादी होगी। गोपनीयता के सवाल पर जगदानंद ने कहा एक दिन पहले पता चलने पर तूफान खड़ा कर दिया गया है। अगर पहले से पता होता तो पता नहीं क्या होता। कहा कि तेजस्वी ने नौजवानों को परिवार को साथ लेकर चलने की राह दिखाई है। उन्होंने अपने मित्र से शादी की है और माता-पिता से आशीर्वाद लेकर की है।

बिपिन रावत की प्लेन क्रैश में मृत्यु होने पर नॉर्थ एवेन्यू में में विनम्र श्रद्धांजलि

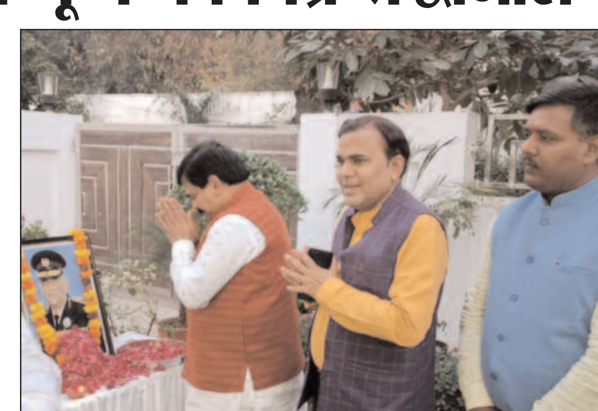

नई दिल्ली। चीफ डिफेंस स्टाफ बिपिन रावत जी सहित अन्य 12 वीर सैनिकों की प्लेन क्रैश में मृत्यु होने पर नॉर्थ एवेन्यू में में विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई । और रावत जी के देश और सैन्य शक्ति के आधुनिकीकरण एवं मनोबल बढ़ाने के जज्बे को याद किया गया।

सांसद रामदास तड़स ने कहा कि सीडीएस सीमा पर पहुंचे तो जवानों का साहस बढ़ाया, गांव पहुंचे तो लोगों के बेटे हो गए, दिल्ली से पाकिस्तान के सरपरस्तों को सीधा सा जवाब दिया। सीधी भाषा मे बताया कि हिंदुस्तान पर उठी हर आंख निकाल ली जाएगी।

भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद संगम लाल गुप्ता ने कहा कि जनरल रावत हमेशा याद किए जाएंगे , उस शख्स की तरह जिसने पुलवामा के हमले के बाद पाकिस्तान को विध्वंस की भाषा में जवाब दिया । चीन को उसकी हरकतों में नाकाम किया । भारत की तीनों सेनाओं के बीच संबंध में बैठाने के सैकड़ों सार्थक कदम उठाए । इनका निधन देश के लिए एक अपूर्ण क्षति है । एक ऐसी कमी जो शायद ना पूरी हो सके । लेकिन वह तो फौजी हैं , फौजी मुल्क की हिफाजत का कर्तव्य हमेशा उठाता है । दुनिया चाहे कोई भी हो। मौके पर पूर्वांचल मोर्चा प्रदेश मंत्री एस राहुल, उत्तर प्रदेश ओबीसी मोर्चा प्रदेश मंत्री रमाशंकर साहू, विपुल कुमार भारतीय, कामेश्वर भारती, रितेश साहू, मनोज कुमार आदि मौजूद रहे।

गुजरात विहार विकास मार्ग पे दो दिवसीय दर्शन व संगोष्टी धर्म सभा का आयोजन

नई दिल्ली। गुजरात विहार विकास मार्ग पे दो दिवसीय दर्शन व संगोष्ठी धर्म सभा का आयोजन हुआ ,

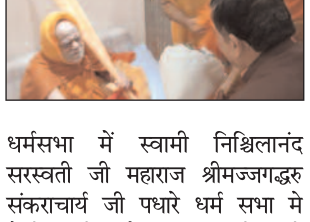

धर्मसभा में स्वामी निश्चिलानंद सरस्वती जी महाराज श्रीमज्जगद्धरु संकराचार्य जी पधारे धर्म सभा मे केंद्रीय मंत्री परषोत्तम रूपला जी व श्री श्याम जाजू पूर्व उपाध्यक्ष भा .ज.पा ,पंकज जैन प्रभारी शाहदरा जिला भा.ज.पा,पूर्व महामंत्री शाहदरा जिला भा.ज.पा विवेक काबरा, भाजपा वरिष्ठ नेता नरेश चौधरी व धर्म सभा के आयोजक महेंद्र लड्डा उपाध्यक्ष शाहदरा जिला भा.ज.पा आदि प्रमुख रूप से रहे ,स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज ने आय हुआ सभी भक्त जनों को आशीर्वाद दिया व आशीष बचन कहे,संतान धर्म की विशेषताओं के बारे में,ज्ञान इंद्रियों, जन्म और मोक्ष , पंच तत्व के बारे में जानकारी दी संस्कृत के शोलोको को बोलते हुए व उनके भावार्थः बताय, मन का शुद्धि करन कैसे किया जाय,काम, क्रोध,मद, लोभ पे कैसे विजय पाए वो मार्ग बताया,आज के समय मे प्रभु का नाम जपना ही श्रेष्ठ कार्य है,अनेको उदहारण से आए हुए सभी जन ने महाराज श्री के द्वारा दिये गए आशीष वचनों व मार्ग दर्शन को आत्म सात किया।

श्रमिकों के लिए ई-श्रम कार्ड बनाने हेतु एक कैंप का आयोजन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री की उत्कृष्ट ई-श्रम योजना के अंतर्गत श्रमिकों के लिए ई-श्रम कार्ड बनाने हेतु आज पूर्वी दिल्ली के गीता कॉलोनी श्मशान घाट के पास स्थित सफेदा झुग्गी के शिव भैरव मंदिर में एक कैंप का आयोजन जानी-मानी समाजसेवी और दिल्ली प्रदेश महिला मोर्चा प्रवक्ता श्रीमती निशा तिवारी कपूर ने किया! सुबह 11 बजे से शुरू इस कैंप में शाम 5 बजे तक करीब डेढ़ सौ लोगों ने ई-श्रम कार्ड के लिए अपना रजिस्ट्रेशन कराया! इस कैंप में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी बढ़ चढ़कर भाग लिया! प्रवक्ता निशा तिवारी कपूर ने बताया कि

ई-श्रम कार्ड बनाने के लिए इस तरह के शिविर अब निरंतर लगाए जाएंगे ताकि ज्यादा से ज्यादा श्रमिक वर्ग को इसका लाभ मिल सके!

पीपल के पेड़ दिल्ली को जहरीली हवा से निजात दिलाने में मदद करेंगे

नई दिल्ली। दुनिया भर की राजधानी शहरों में दिल्ली की वायु गुणवत्ता सबसे खराब हो गई है. इंटरनेशनल मेडिटेशन फाउंडेशन ने शहर में हवा की गुणवत्ता में सुधार के लिए दिल्ली भर में पीपल के पेड़ लगाने के लिए एक अभियान शुरू किया है। इंटरनेशनल मेडिटेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष स्वामी अवधेशानंद ने कहा कि पीपल के पेड़ लगाने से शहर में हवा की गुणवत्ता पर जादुई प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, हमने अपने संसाधनों से अभियान शुरू किया है और सरकार को इसे बड़े स्तर पर लागू करने का प्रस्ताव भी दिया है। स्वामी अद्वैतानंद, जो महामंडलेश्वर, श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा भी हैं, ने बताया कि सरकार की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने कहा, मैंने माननीय केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव जी से अनुरोध किया है कि इस मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर उठाएं। स्वामी

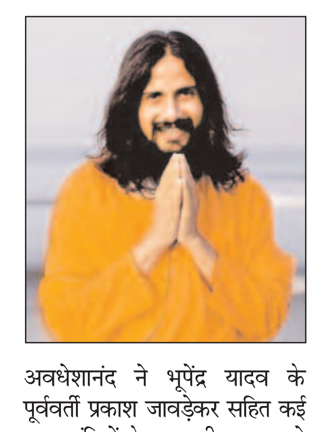

अवधेशानंद ने भूपेंद्र यादव के पूर्ववर्ती प्रकाश जावड़ेकर सहित कई अन्य मंत्रियों के साथ भी इस मामले को उठाया है। 2 नवंबर 2020 को प्रकाश जावड़ेकर को भेजे गए एक पत्र में, आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और रक्षा राज्य मंत्री श्रीपद नाइक ने लिखा- मैं इसके साथ महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी का एक स्व-व्याख्यात्मक पत्र अग्रेषित कर रहा हूं, श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा एवं अध्यक्ष, इंटरनेशनल मेडिटेशन फाउंडेशन, दिल्ली के जंगल में घनी आबादी वाले विलायती बबूल (कीकर) में पीपल और बरगद के पेड़ लगाकर दिल्ली को फिर से हरा-भरा बनाने के संबंध में। यदि आप कृपया मामले की जांच कर उचित कार्रवाई कर सकें तो मैं आपका आभारी रहूंगा। पीपल का पेड़ विलायती कीकर से 5-10 गुना बड़ा होता है। इसका मतलब यह 5-10 गुना अधिक ऑक्सीजन प्रदान करेगा। इसके परिणामस्वरूप वायुमंडलीय प्रदूषकों को कम करके क्षेत्र की वायु गुणवत्ता में सुधार होगा। पीपल एकमात्र ऐसा पेड़ है जो रात में भी ऑक्सीजन देता है, विलायती कीकर रात के समय सीओ2 देता है। यह पीपल के पेड़ द्वारा प्रदान की जाने वाली ऑक्सीजन की मात्रा को दोगुना कर देता है क्योंकि अन्य पेड़ दिन में ही ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। विलायती कीकर की तुलना में पीपल एक ही आकार के पेड़ में भी अधिक ऑक्सीजन देता है। क पीपल को धार्मिक कारणों से लकड़ी या किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं काटा जाता है और यह पेड़ को लंबे समय तक बचाता है। यह जंगलों के साथ देखी जाने वाली आम समस्या को हल करता है। ड्रग्स एंड क्राइम पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के अनुसार हथियारों, ड्रग्स और मानव तस्करी के बाद यह दुनिया भर में चौथा सबसे बड़ा अवैध व्यापार है। पीपल फल देता है जिसे पक्षी खा सकते हैं। पीपल के पत्ते बंदरों को बहुत पसंद होते हैं। जब जंगल में पर्याप्त फल होंगे, तो मानव आबादी में बंदर नहीं निकलेंगे या कम निकलेंगे। यह जैव विविधता को बनाए रखने के लिए पक्षियों और जानवरों के लिए एक प्राकृतिक आवास प्रदान करेगा। पीपल का आकार लंबा होता है और यह उतनी ही भूमि में जंगल के आकार को कई गुना बढ़ा देता है। पीपल को अन्य पेड़ों की तुलना में अधिक पानी और देखभाल की आवश्यकता नहीं होती है। पीपल आध्यात्मिक लाभ प्रदान करता है।

संपादकीय

सदाबहार दोस्ती

यूक्रेन विवाद और कोरोना चुनौती के बीच रूसी राष्ट्रपति का भारत आना निस्संदेह इस बात का प्रतीक है कि पुतिन भारत से संबंधों को अपनी प्राथमिकता देते हैं। इस यात्रा के गहरे निहितार्थ हैं सामरिक दृष्टि से और कारोबारी रिश्तों की वजह से भी। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि अमेरिकी दबाव के बावजूद भारत रूस से उन्नत मिसाइल रक्षा प्रणाली एस–400 खरीद रहा है, जिस पर अमेरिका की भौंहें तनी हुई हैं। अमेरिका ने नाटो संगठन के देश तुर्की पर रूस से ऐसी ही मिसाइल प्रतिरक्षा प्रणाली खरीदने पर प्रतिबंध लगाये थे। भारत ने अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को संदेश दिया है कि भले ही कई मामलों में भारत का अमेरिका के प्रति झुकाव रहा हो, लेकिन अपने रणनीतिक हितों के लिये विदेश नीति निर्धारण में वह किसी देश का पिछलग्गू नहीं है। भारत–रूस के इस 21वें शिखर सम्मेलन में पुतिन व मोदी की बातचीत के अलावा 'टू प्लस टू' बैठकों में दोनों देशों के रक्षा व विदेश मंत्रियों की मुलाकातें महत्वपूर्ण होते रिश्तों की बानगी दर्शाती है। इस दौरान हुए महत्वपूर्ण समझौते इस बात पर मोहर लगाते हैं। निस्संदेह, रूस भारत का भरोसेमंद सहयोगी रहा है और संकट के कई मौके पर हमारे साथ खड़ा रहा है। यही वजह है कि दोनों देशों में रक्षा सहयोग दस वर्ष बढ़ाने पर सहमति बनी है। इस वार्ता में दोनों देशों के नेताओं की गर्मजोशी प्रगाढ़ होते रिश्तों को दर्शाती है। निस्संदेह, पुतिन कुछ ही घंटों के लिये भारत आये, लेकिन इस यात्रा के महत्वपूर्ण मायने हैं। खासकर ऐसे समय में जब साम्राज्यवादी चीन लगातार सीमा पर भारत के लिये मुश्किलें खड़ी कर रहा है और अफगानिस्तान में पाक–परस्त तालिबान सत्ता में काबिज हो गया है, भू–सामरिक दृष्टि से रूसी राष्ट्रपति की भारत यात्रा और महत्वपूर्ण हो जाती है। शांति, सहयोग व दोस्ती के पांच दशक व रणनीतिक साझेदारी के दो दशक पूरा होना, दोनों देशों के भरोसे के रिश्तों को ही दर्शाता है। कोविड संकट के दौरान जब देश दूसरी लहर से जूझ रहा था और पश्चिमी देशों द्वारा वैक्सीन निर्माण से जुड़ी सामग्री देने में आनाकानी की जा रही थी, तब रूस आगे आया और भारत के लिये स्पूतनिक वैक्सीन की आपूर्ति और उत्पादन पर सहमति बनी थी। दरअसल, पुतिन की इस यात्रा के दौरान भारत व रूस सामरिक व रक्षा चुनौतियों के बाबत ही साथ खड़े नजर नहीं आये, बल्कि आतंकवाद, नशीले पदार्थों की तस्करी व संगठित अपराधों से जूझने में साझा लड़ाई की बात कही गई। इन मुद्दों में पुतिन द्वारा भरोसा देना पाक को भी सख्त संदेश है, जो सीमापार से भारत के खिलाफ आतंकवाद व नशीले पदार्थों की तस्करी को हथियार की तरह इस्तेमाल करता रहा है। वहीं पुतिन ने भारत की सीमा पर चीन के जमावड़े पर चर्चा करते हुए स्पष्ट कहा कि भारत एक बड़ी ताकत है। बहरहाल, अब तक रक्षा ?व अंतरिक्ष विषयों पर सहभागिता करने वाले भारत व रूस ने टू–प्लस–टू बैठक में इन्हें विस्तार देने पर सहमति व्यक्त की है। दूसरी ओर सेना को आधुनिक हथियार मुहैया कराने के क्रम में अत्याधुनिक असॉल्ट राइफल एके–203 की खरीद तथा अमेठी में आयुध फैक्टरी में लाखों राइफलों के निर्माण का समझौता हथियार बनाने में भारत की आत्मनिर्भता की दिशा में एक बड़ा कदम कहा जा सकता है। विश्वास है कि टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और कीमतें तय करने की अड़चनों को दूर करने के बाद अब इनका निर्माण गति पकड़ेगा। साथ ही क्षेत्र में रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी। वहीं क्लाशनिकोव श्रृंखला के छोटे हथियारों के उत्पादन के बारे में वर्ष 2019 के समझौते में संशोधन व सैन्य एवं तकनीकी सहयोग के क्षेत्र में अंतर को सरकारी आयोग के प्रोटोकॉल में बदलाव किया गया है। निस्संदेह, दोनों देशों के भरोसेमंद रिश्तों को पुतिन की यात्रा से और मजबूती मिलेगी। खासकर अचूक मिसाइल प्रतिरक्षा प्रणाली एस–400 की आपूर्ति शुरू होने से पड़ोसी मुल्क भारत पर हमले की कोशिश से पहले कई बार विचार करेंगे। भारत ने इसे अपनी रणनीतिक संप्रभुता के लिये अपरिहार्य बताया है, जिसके चलते अमेरिका व चीन की निगाहें पुतिन की भारत यात्रा पर लगी थी।

बचाव में ही बचाव

ओमीक्रॉन वेरिएंट के संक्रमितों की संख्या भारत में अभी दो अंकों में ही सहीग पर उसका तेजी से बढ़ना चिंता पैदा करने वाला है। प्रभावित देशों से यात्रा पर पाबंदियों जैसे कदमों स, वायरस को आने से ज्यादा देर तक रोका नहीं जा सकता है। दूसरी लहर जितनी तेजी से बढ़ी थी और सबसे तबाही ढहाने वाले कुछ हफ्तों के दौरान हालात जैसे बेकाबू हो गए थे, उसकी यादें फिर डराने लगी हैं। इस नये वेरिएंट का पता चलने के चंद हफ्ते में ही खासतौर पर यूरोप व अमरीका में जिस तेजी से यह संक्रमण फैला हैग उससे तीसरी लहर की आशंकाओं को और बल मिल रहा है। वैसे भी इस नये वेरिएंट के बारे में अब तक एक ही जानकारी पक्की है– इसकी संक्रामकता यानी फैलने की रफ्तार, डेल्टा वेरिएंट से भी बहुत ज्यादा है, जिसे भारत में दूसरी लहर के कहर के लिए जिम्मेदार माना जाता है। कोविड–19 के खिलाफ लड़ाई में हम 2020 के शुरू में जहां थे, उससे बहुत आगे निकल आए हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि अब हमारे पास टीका है। आधी वयस्क आबादी को टीके की दोनों खुराकें मिल चुकी हैं और तीन–चौथाई से ज्यादा को कम से कम एक खुराक। हालांकि, उपलब्ध टीके इस वेरिएंट के खिलाफ किस हद तक बचाव उपलब्ध कराते हैं यह अभी स्पष्ट नहीं है और वास्तव में इससे अब तक संक्रमित होने वालों में टीके से रक्षितों की संख्या अच्छी–खासी है, फिर भी संक्रमण को गंभीर रूप लेने से रोकने में टीकों की कारगरता असंदिग्ध है। वैसे एक धारणा यह भी है, हालांकि इसकी पुष्टि में समय लगेगा कि यह वेरिएंट घातक उतना नहीं है, जितना संक्रामक है। संक्रमितों के गंभीर अवस्था में अस्पताल पहुंचने या मौत के मामले काफी कम हैं। इंडियन मेडिकल

घबराएं नहीं, पर संभलकर रहें

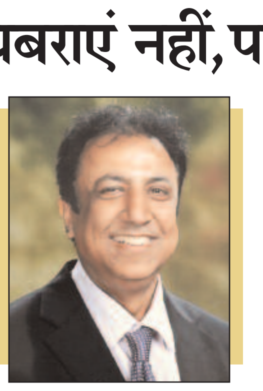

कोरोना महामारी का कारण बनने वाले सार्स-कोव-2 वायरस के नए ओमिक्रोन वैरिएंट ने सबको चिंता में डाल दिया है। सबसे ज्यादा चिंता बच्चों की सेहत को लेकर है। देश में अभी तक बच्चों का टीकाकरण शुरू नहीं हुआ है। ऐसे में यह चिंता और भी बढ़ जाती है। दिल्ली स्थित मधुकर रेनबो चिल्ड्रंस हॉस्पिटल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण खिलनानी का कहना है कि नए वैरिएंट से घबराने की नहीं, संभलकर रहने की जरूरत है।

डॉ. खिलनानी ने कहा कि नए वैरिएंट को लेकर अभी बहुत ज्यादा वैज्ञानिक डाटा सामने नहीं आया है। दक्षिण अफ्रीका में इस वैरिएंट की पहचान होने के बाद भारत समेत तीन दर्जन से ज्यादा देशों में इसके केस मिल चुके हैं। पॉपुलेशन बेस्ड रिपोर्ट बताती है कि यह वायरस फैल तो तेजी से रहा है, लेकिन बहुत जानलेवा नहीं है। इसलिए संभलकर रहना चाहिए, ताकि गिनती ना बढ़े। बच्चों की सुरक्षा के लिए भी सबसे जरूरी यही है कि बड़े खुद को सुरक्षित रखें। वायरस से बचाने में टीके को कारगर पाया गया है। इसलिए कोशिश यही होनी चाहिए कि जल्दी से जल्दी और ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग टीकाकरण करवाएं। टीका लगवा चुके लोगों में संक्रमण के मामले कम देखे गए हैं। टीके के बाद यानी ब्रेकथ्रू संक्रमण के मामले में भी देखा गया है कि ऐसे लोगों में लक्षण बहुत गंभीर नहीं होते हैं। डॉ. खिलनानी ने कहा कि टीके के प्रति किसी को लापरवाही नहीं करनी चाहिए। जहां तक बचाव की बात है, तो सभी वैरिएंट पर मास्क पहनने, हाथ साफ रखने और शारीरिक दूरी का पालन करने जैसे पुराने तरीके ही कारगर हैं। सभी को इसका पालन करना चाहिए। बच्चों के लक्षणों को लेकर उन्होंने कहा कि बच्चों और वयस्कों में लक्षण एक जैसे ही होते हैं। इस वैरिएंट में बुखार और सर्दी-जुकाम के लक्षण देखे गए हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि बच्चों को बिना बुखार के या हल्के बुखार के साथ सर्दी-जुकाम हो तो घबराना नहीं चाहिए। सामान्य घरेलू उपचार से उसे ठीक किया जा सकता है। हालांकि 102 डिग्री फारेनहाइट से ज्यादा बुखार हो तो डॉक्टर से मिलना चाहिए। दो दिन से ज्यादा यदि सर्दी-जुकाम और बुखार बना रहे, तब भी डॉक्टर से मिलना जरूरी होता है। बड़ों के मामले में भी इस तरह की सतर्कता जरूरी है।

श्रद्धांजलि: सेना के अपराजेय योद्धा थे बिपिन रावत

योगेश कुमार गोयल

तमिलनाडु के नीलगिरी जिले के कुन्नूर में भारतीय वायुसेना का एमआई-17वी5 हेलीकॉप्टर क्रैश हो जाने के दर्दनाक हादसे से न केवल भारतीय सेना के तीनों अंग बल्कि समूचा देश गहरे सदमे में है। वायुसेना द्वारा इस दुर्घटना के कारण जानने के लिए जांच का आदेश दे दिया गया है। दरअसल इस हादसे में हेलीकॉप्टर में सवार सीडीएस बिपिन रावत और उनकी पत्नी के अतिरिक्त 11 लोगों की मौत ने हर किसी को स्तब्ध कर दिया है। हादसे का शिकार हुए हेलीकॉप्टर को विंग कमांडर पृथ्वी सिंह उड़ा रहे थे। हेलीकॉप्टर सुलुर के आर्मी बेस से निकलने के बाद जनरल रावत को लेकर वेलिंगटन सैन्य ठिकाने की ओर बढ़ रहा था और सुलूर से करीब 94 किलोमीटर दूर हेलीकॉप्टर अचानक हादसे का शिकार हो गया। किसी भी वीवीआईपी दौरे में इसी हेलीकॉप्टर का उपयोग किया जाता है। हादसे के शिकार हुए हेलीकॉप्टर की तुलना चिनूक हेलीकॉप्टर से की जाती थी, जो डबल इंजन हेलीकॉप्टर था, जिससे इसके एक इंजन में कोई खराबी आने पर दूसरे इंजन के सहारे सुरक्षित लैंडिंग कराई जा सके।

एमआई-17वी5 हेलीकॉप्टर को भारतीय वायुसेना के सबसे सुरक्षित हेलीकॉप्टरों में से एक माना जाता है, इसलिए इसका इस प्रकार क्रैश होना बड़े सवाल करता है। दरअसल यह दुनिया के सबसे उन्नत परिवहन हेलीकॉप्टरों में से एक है, जिसे ट्रूप तथा आर्म्स ट्रांसपोर्ट, फायर सपोर्ट, काफिले एस्कॉर्ट, पैट्रोल और सर्च-एंड-रेस्क्यू मिशनों में भी तैनात किया जा सकता है। इसका अधिकतम टेकऑफ वजन 13 हजार किलोग्राम है और यह 36 सशस्त्र सैनिकों सहित आंतरिक रूप से 4500 किलोग्राम भार ले जा सकता है। यह हेलीकॉप्टर उष्णकटिबंधीय और समुद्री जलवायु के साथ-साथ रेगिस्तानी परिस्थितियों में भी उड़ान भरने की क्षमता रखता है। इसका केबिन काफी बड़ा है, जिसमें पोर्टसाइड दरवाजा है, जो पीछे की तरफ रैंप सैनिकों और कार्गो के आसानी के प्रवेश और निकास की अनुमति देता है। हेलीकॉप्टर एक विस्तारित स्टारबोर्ड स्लाइडिंग डोर, रैपलिंग और पैराशूट उपकरण, सर्चलाइट, एफएलआईआर सिस्टम जैसे कई आधुनिक प्रणालियों से सुसज्जित है।

रक्षा मंत्रालय ने दिसम्बर 2008 में 80 एमआई-17 हेलीकॉप्टरों के लिए रूस के साथ 1.3 अरब डॉलर का सौदा किया था, जिनकी आपूर्ति भारतीय वायुसेना को 2011 में शुरू हुई थी और रूस द्वारा भारत को 2016 में आखिरी हेलीकॉप्टर सौंपा गया था। कई आधुनिक तकनीकों के साथ निर्मित इस हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल सेना के कई महत्वपूर्ण अभियानों में हुआ है। 2008 के मुम्बई आतंकी हमले के दौरान कमांडो ऑपरेशन में भी इसका इस्तेमाल हुआ था, जब इसी हेलीकॉप्टर के जरिये कोलाबा में एनएसजी कमांडो को आतंकियों के खिलाफ उतारा गया था। 2016 में जम्मू-कश्मीर में सीमा पर पाकिस्तानी लांच पैड को तबाह करने के लिए भी एमआई-17वी5 का इस्तेमाल हुआ था। वैसे विगत पांच वर्षों में अब तक कुल छह बार ये हेलीकॉप्टर दुर्घटना के शिकार हो चुके हैं।

अरुणाचल प्रदेश के तवांग के पास 6 मई 2017 को एक एमआई-17 हेलीकॉप्टर उड़ान भरने के दौरान हादसे का शिकार हो गया था, जिसमें पांच जवानों के अलावा दो अन्य लोगों की मौत हो गई थी। उसके बाद उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में 3 अप्रैल 2018 को गुप्तकाशी से पुनर्निर्माण सामग्री लेकर आ रहा एम-आई-17 हेलीकॉप्टर हेलीपैड से मात्र 60 मीटर पहले ही हादसे का शिकार हो गया था, जिसमें सभी बाल-बाल बच गए थे। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में 27 फरवरी 2019 को वायुसेना का एमआई-17 लापरवाही के चलते अपनी ही मिसाइल का शिकार होकर क्रैश हो गया था, जिसमें वायुसेना के छह अधिकारियों सहित एक आम नागरिक की मौत हुई थी। केदारनाथ से गुप्तकाशी जाने के लिए उड़ान भरते समय 23 सितम्बर 2019 को भी एमआई-17 हो गया था और उस हादसे में पायलट सहित सभी छह लोग सुरक्षित बच गए थे। 18 नवम्बर 2021 को एमआई-17 हेलीकॉप्टर अरुणाचल प्रदेश में लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में भी पांचों क्रू सदस्य सुरक्षित बच गए थे लेकिन 8 दिसम्बर को हुए एमआई-17 हादसे में सीडीएस बिपिन रावत सहित बाकी लोग इतने खुशनसीब नहीं थे।

हेलीकॉप्टर में सवार सीडीएस जनरल रावत अपनी पत्नी और कुछ वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों व कर्मियों के साथ वेलिंग्टन में 'डिफेंस सर्विसेज कॉलेज' जा रहे थे, जहां वे थल सेनाध्यक्ष एमएम नरवणे के साथ बाद में एक कार्यक्रम में भाग लेने वाले थे। सीडीएस बिपिन रावत का असामयिक निधन न केवल सैन्य बलों के लिए बल्कि पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने सीडीएस बनने के बाद सेना के तीनों अंगों के आधुनिकीकरण के लिए कई बड़े कदम उठाए थे। भारतीय सेना में उनकी चार दशक लंबी सेवा सदैव असाधारण बहादुरी से भरी रही और सेना का मनोबल बढ़ाने के लिए वे हमेशा दो टूक लहजे में दुश्मन को चेताते रहते थे। दुश्मन देश की नापाक हरकतों पर उसे कड़े लहजे में चेतावनी देते हुए एक बार उन्होंने कहा था कि पहली गोली हमारी नहीं होगी लेकिन उसके बाद हम गोलियों की गिनती नहीं करेंगे। 16 मार्च 1958 को पौड़ी गढ़वाल के एक गांव में जन्मे बिपिन रावत के पिता लक्ष्मण सिंह रावत भी सैन्य अधिकारी थे, जो 1988 में लेफ्टिनेंट जनरल पद से रिटायर हुए थे।

बिपिन रावत ने 1978 में सेना की 11वीं गोरखा राइफल्स की पांचवीं बटालियन से अपने सैन्य कैरियर की शुरूआत की थी और उसके बाद से उनका पूरा कैरियर उपलब्धियों से भरा रहा। 2011 में उन्होंने चौ. चरण सिंह यूनिवर्सिटी से मिलिट्री मीडिया स्टडीज में पीएचडी की डिग्री हासिल की थी। उन्हें उत्तम युद्ध सेवा मैडल, अति विशिष्ट सेवा मैडल, युद्ध सेवा मैडल, सेना मैडल, विदेश सेवा मैडल इत्यादि कई पदक मिले थे। उन्होंने 1999 में पाकिस्तान के साथ हुए करगिल युद्ध में हिस्सा लिया था। इसके अलावा उन्होंने कांगो में संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन का नेतृत्व भी किया था और उस दौरान उन्होंने एक बहुराष्ट्रीय ब्रिगेड का भी नेतृत्व किया था। 1 सितम्बर 2016 को उन्हें उप-सेना प्रमुख बनाया गया और 31 दिसम्बर 2016 को उन्होंने भारतीय सेना की कमान संभाली थी। उन्होंने सैन्य सेवाओं के दौरान एलओसी, चीन बॉर्डर तथा नॉर्थ-ईस्ट में लंबा समय गुजारा। पूर्वी सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा, कश्मीर घाटी तथा पूर्वोत्तर सहित अशांत क्षेत्रों में काम करने का उनका लंबा और शानदार अनुभव था। 2016 में उरी में सेना के कैंप पर हुए आतंकी हमले के बाद बिपिन रावत के नेतृत्व में 29 सितम्बर 2016 को पाकिस्तान स्थित आतंकी शिविरों को ध्वस्त करने के लिए सर्जिकल स्ट्राइक की गई थी। उन्हें ऊंचाई पर जंग लड़ने (हाई माउंटेन वॉरफेयर) तथा काउंटर-इंसर्जेंसी ऑपरेशन अर्थात् जवाबी कार्रवाई के विशेषज्ञ के तौर पर जाना जाता था। सेना प्रमुख पद से रिटायरमेंट से एक दिन पहले ही 30 दिसम्बर 2019 को सरकार द्वारा उन्हें चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) बनाने की घोषणा की गई थी और 1 जनवरी 2020 को वे भारत के पहले सीडीएस बने थे। बतौर सीडीएस जनरल रावत पर तीनों सेनाओं में स्वदेशी साजो-सामान का उपयोग बढ़ाने का दायित्व था और वे सेना के तीनों अंगों के ऑपरेशन, प्रशिक्षण, ट्रांसपोर्ट, सपोर्ट सर्विसेस, संचार, रखरखाव, रसद पूर्ति तथा संयंत्रों में टूट-फूट संबंधी कार्य भी देख रहे थे। सीडीएस के रूप में उनकी नियुक्ति का मुख्य उद्देश्य युद्ध की चुनौतियों से निपटने के लिए तीनों सेनाओं में तालमेल को बढ़ाना था। दरअसल आज दुनियाभर में सेनाओं में अत्याधुनिक तकनीकों के समावेश के चलते युद्धों के स्वरूप और तैयारियों में लगातार बड़ा बदलाव देखा जा रहा है, ऐसे में देश की सुरक्षा को चाक-चौबंद करने के लिए बेहद जरूरी था कि तीनों सेनाओं की पूरी शक्ति एकीकृत होकर कार्य करे क्योंकि तीनों सेनाएं अलग-अलग सोच से कार्य नहीं कर सकती। दुश्मन के हमलों को नाकाम करने के लिए सेना के तीनों अंगों के बीच तालमेल होना बेहद जरूरी है। सेना के लिए रणनीति विकसित करने के अलावा सैन्य अधिकारियों और जवानों के बीच विश्वास बनाए रखना भी सीडीएस बिपिन रावत का महत्वपूर्ण दायित्व था और अपने सैन्य अनुभवों के आधार पर इन सभी दायित्वों को बखूबी निभाते हुए वे पहले सीडीएस के रूप में रक्षा सुधारों सहित सशस्त्र बलों से संबंधित विविध पहलुओं पर काम कर रहे थे। सीडीएस रहते सशस्त्र बलों और सुरक्षा तंत्र के आधुनिकीकरण में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार तथा सामरिक मामलों के विश्लेषक हैं)

अर्थव्यवस्था

राजनीतिक दलों की जवाबदेही सुनिश्चित हो

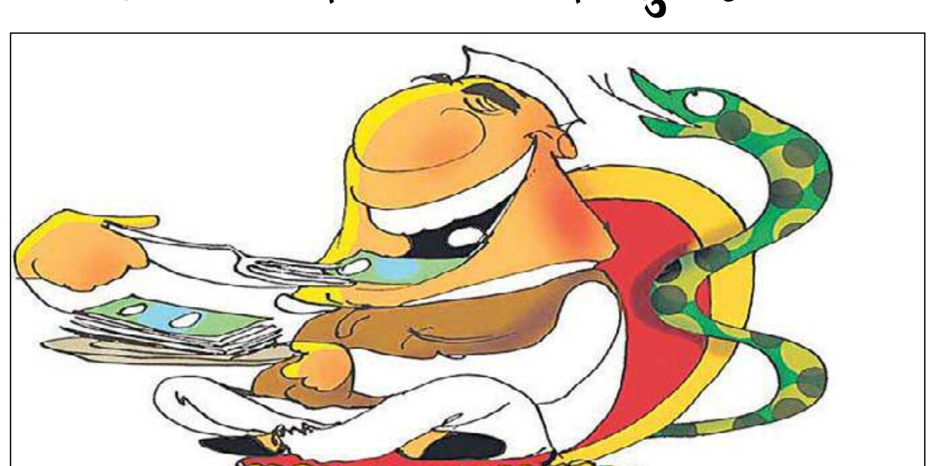

अनूप भटनागर

लोकतांत्रिक प्रणाली को अपराधीकरण से मुक्त कराने के न्यायपालिका के प्रयासों को मिली सफलता के बीच अब सजायाफ्ता नेताओं पर आजीवन चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगाने की मांग जोर पकड़ रही है। न्यायालय भी सरकार से जानना चाहता है कि क्या वह सजायाफ्ता नेताओं के चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगाना चाहती है।

एक आम धारणा है कि अदालत द्वारा दोषी ठहराये गये नेताओं के चुनाव लड़ने पर अगर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया जाये तो इससे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था आपराधिक तत्वों से पूरी तरह से मुक्त हो सकती है। लेकिन फिलहाल कानून में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए इस बारे में कानून बनाने की आवश्यकता होगी, जिसके लिए राजनीतिक दलों में आम सहमति जरूरी है।

इस समय दो साल या उससे अधिक की सजा पाने वाला व्यक्ति जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत छह साल तक चुनाव लड़ने के अयोग्य है। लेकिन अगर गंभीर अपराधों में दोषी पाए गए व्यक्ति को आजीवन चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहराया जाना है तो इसके लिए जनप्रतिनिधित्व कानून में संशोधन करना होगा। यह काम संसद को ही करना है।

अगर आम सहमति के आधार पर सरकार कोई कानून बनाना चाहेगी तो उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को रास्ते से हटाने के लिए इसके प्रावधानों का दुरुपयोग नहीं हो। राजनीति को अपराधीकरण से मुक्त कराने का न्यायपालिका और निर्वाचन आयोग के स्तर पर पिछले तीन दशकों से प्रयास चल रहा है। इसमें काफी सफलता भी मिली है। न्यायिक हस्तक्षेप का ही नतीजा है कि अब दो साल या इससे ज्यादा अवधि की सजा होने पर पीठासीन सांसद और विधायक भी पद के अयोग्य हो जाता है और उसका स्थान रिक्त घोषित कर दिया जाता है।

भाजपा नेता और अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय लंबे समय से प्रयत्नशील है कि अदालत से दोषी ठहराये गए नेताओं के चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगाया जाए लेकिन उन्हें इसमें अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है। उपाध्याय का दावा है कि विधायिका में करीब 30 प्रतिशत निर्वाचित प्रतिनिधियों के खिलाफ आपराधिक मामले लंबित हैं। लेकिन, इनके निपटारे में अत्यधिक विलंब होने की वजह से इन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रिया से बाहर नहीं किया जा सकता है। उनकी दलील है कि आपराधिक मामले में दोषी ठहराये गए लोक सेवक और न्यायिक अधिकारियों पर आजीवन प्रतिबंध होता है लेकिन नेताओं के मामले में ऐसा नहीं है।

प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण की अध्यक्षता वाली पीठ ने पिछले महीने ही केन्द्र सरकार से सवाल किया था कि क्या वह अदालत से सजा पाने वाले नेताओं के चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार है? शीर्ष अदालत का कहना था कि इस संबंध में केंद्र को ही निर्वाचन आयोग से परामर्श करके जनप्रतिनिधित्व कानून में संशोधन करने का फैसला लेना होगा। हालांकि, केन्द्र सरकार अभी तक दोषी और सजायाफ्ता नेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाने के पक्ष में नहीं है, लेकिन अब उसे एक बार फिर शीर्ष अदालत में अपनी स्थिति साफ करनी है ताकि जनहित याचिका पर कोई निर्णय हो सके।

राजनीति को अपराधीकरण से मुक्त कराने के प्रयासों के दौरान ही न्यायालय में एक अन्य मामला आया था, जिसमे गंभीर अपराध के आरोपों का सामना कर रहे व्यक्तियों को चुनाव लड़ने के अयोग्य घोषित किया जाए। शीर्ष अदालत ने अपनी व्यवस्था में कहा कि कानून में अपेक्षित प्रावधान के अभाव में वह गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे किसी भी निर्वाचित प्रतिनिधि को अयोग्य घोषित नहीं कर सकता। संप्रग सरकार के कार्यकाल के दौरान पूरी संजीदगी के साथ यह मुद्दा उठा था कि ऐसे लोगों को चुनाव लड़ने के अयोग्य बनाया जाये, जिनके खिलाफ यौन शोषण, बलात्कार, बलात्कार के प्रयास, हत्या, हत्या के प्रयास, आतंकी गतिविधियां, धनशोधन और भ्रष्टाचार जैसे गंभीर अपराधों के आरोप में अदालतों में अभियोग निर्धारित हो चुके हैं, लेकिन राजनीतिक दलों में आम सहमति नहीं बनी।

ऐसी स्थिति में निर्वाचन आयोग ने सुझाव दिया कि राजनीतिक दलों को गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे व्यक्तियों को चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार नहीं बनाना चाहिए और ऐसा करके आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को संसदीय व्यवस्था के दायरे से बाहर रखना संभव होगा। इसके बाद, शीर्ष अदालत ने राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों का आपराधिक मामलों सहित पूरा विवरण राजनीतिक दल की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने के साथ ही स्थानीय समाचार पत्रों में इनके विज्ञापन देने का आदेश दिया था।

बहरहाल, सरकार और राजनीतिक दलों के ढुलमुल रवैये के बावजूद राजनीति को अपराधीकरण से मुक्त कराने के न्यायपालिका और निर्वाचन आयोग के प्रयास जारी हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि देर–सवेर सरकार और प्रमुख राजनीतिक दल लोकतांत्रिक प्रक्रिया को स्वच्छ बनाने के लिए एकजुट होंगे।

ओमीक्रोन

अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत

सुरेश हिंदुस्थानी

कोरोना की तीसरी लहर ने अपने कदम बढ़ाने प्रारंभ कर दिए हैं। आम आदमी जिस प्रकार लापरवाह हुआ है, उससे यही आशंका उत्पन्न होने लगी है कि ओमीक्रोन निश्चित प्रभाव दिखाएगा। इसके पीछे बड़ा कारण यही माना जा रहा है कि भारतीय समाज का बड़ा हिस्सा नियम–कानून के पालन की मानसिकता नहीं बना पाया है। इसके कारण जहां व्यक्तिगत स्तर पर कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है, वहीं यह लापरवाही समाज के लिए अत्यंत घातक हो जाती है।

कोरोना संक्रमण की पिछली दो लहरों ने समाज को बहुत बड़ा सबक दिया लेकिन इस सबक का प्रभाव धीरे–धीरे विस्मृत होता जा रहा है। समाज ने इस प्रकार से जीना प्रारंभ कर दिया, जैसे कोरोना आया ही नहीं था। पहले और दूसरे संक्रमण के दौरान लगाए गए लॉकडाउन के दौरान जनमानस अच्छे–बुरे की पहचान कर चुका है, लेकिन ऐसा लगता है कि हम जानते हुए अनजान बन जाते हैं। इसी कारण यह परिलक्षित हो रहा है कि हम जीवन के प्रति सचेत नहीं हैं।

तीसरी लहर की जद में विश्व के कई देश आ चुके हैं। दक्षिण अफ्रीका, आस्ट्रेलिया और अमेरिका जैसे अपने आपको अत्यंत समृद्ध मानने वाले देशों की स्थिति विकराल होती जा रही है। कई देश पहली और दूसरी लहर के संत्रास से बाहर निकल भी नहीं पाए थे कि अचानक तीसरी लहर ने भी दस्तक दे दी।

भारत के लिए राहत है कि भारतीय वैक्सीन पहले भी सकारात्मक परिणाम देने में सार्थक प्रमाणित हुई है। अब तीसरी लहर की भयावह आशंका के बीच कहा जाने लगा है कि भारतीय वैक्सीन ओमीक्रोन को भी परास्त करने में सफल होगी। लेकिन हमें किसी प्रकार से आश्वस्ति की आवश्यकता नहीं है। आश्वस्ति का भाव निश्चित ही मनोबल बढ़ाने का कार्य करती है, परंतु इस मनोबल को बनाए रखने के लिए किसी भी प्रकार की अफवाह से खुद को मुक्त रखना, हम सभी का प्राथमिक कर्तव्य होना चाहिए।

हम जानते हैं कि पहली लहर से पूर्व देश के कुछ हिस्सों में कोरोना संक्रमण रोकने के लिए धारा 144 और कर्फ्यू लगाने की आवश्यकता हुई। यह सब जनता को बड़े खतरे की चपेट में आने से रोकने के लिए किया गया। जो बहुत हद तक सफल भी रहा, लेकिन दूसरी लहर में फैली अफवाहों ने जनता के हौसले को तोड़ने का काम किया। विसंगति यह थी कि जिस विभाग को इसे रोकने का प्रयास करना चाहिए था, उसके ही कुछ स्वार्थी मानसिकता से ग्रस्त व्यक्तियों ने अपना लाभ देखने का भरपूर प्रयास किया। इस बार शासन, प्रशासन और आम जनता को भी सक्रिय भूमिका का प्रदर्शन करते हुए भ्रम फैलने से पहले ही जागरण का कार्य करना चाहिए, नहीं तो ऐसा न हो कि फिर से दूसरी लहर के दौरान बनने वाले हालात पैदा हो जाएं।

चीन के वुहान शहर से फैले कोरोना वायरस को शुरू में दुनिया के देशों ने हल्के में लिया, लेकिन जैसे ही कोरोना का विकराल रूप सामने आया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अमेरिका जैसे विकसित और चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर सेवा देने वाले इटली जैसे देशों में भी इस वायरस ने तबाही ला दी। अब कोरोना का नया वेरिएंट दक्षिण अफ्रीका से सामने आया है। कहा जा रहा है कि यह वायरस वैश्विक रूप से अपना प्रभाव दिखाएगा। इसलिए दुनिया के कई देश इसके प्रभाव को रोकने के लिए व्यापक तैयारियां कर रहे हैं। भारत में भी ओमीक्रोन संक्रमित व्यक्ति मिल रहे हैं। इसके निहितार्थ यही हैं कि भारत में भी इसका दुष्प्रभाव देखने को मिलेगा। इसे रोकने के लिए शासन स्तर पर तो नीति बनाई जा रही होंगी, लेकिन सामाजिक स्तर भी अभी से ठोस पहल करने की आवश्यकता है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

तंबाकू स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है:आशीष सिंह

संवाददाता

उरुवा प्रयागराज। उरूवा ब्लाक के अंतर्गत माता दान सिंह इ0 का0 तरवाई में राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम 2021-2022 के अंतर्गत जिला तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ प्रयागराज के निर्देशन में रामा सृजन जन कल्याण संसथान प्रयागराज द्वारा तम्बाकू जान लेवा हैं विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता कालेज के डायरेक्टर अशीष सिंह जी ने किया साथ ही उन्होंने तम्बाकू निषेध पर कार्य क्रम की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि जब तक हम इस जहर के खिलाफ खुद को तैयार नहीं करेंगे तब तक कोई भी संगोष्ठी और कार्यशाला सफल नहीं हो सकती इस लिए आवश्यकता इस बात की है कि हमें इसे जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ना होगा रामा सृजन जन कल्याण संस्थान के सचिव ओम प्रकाश मिश्रा ने तम्बाकू निषेध विषय पर बोलते हुए कहा कि विश्व भर तंबाकू से होने वाली मौतों में भारत अपना अग्रणी स्थान रखता है क्योंकि यहाँ विभिन्न रूपों में जैसे गुटखा, पान, मशाला, सुर्ती, चुना ,मावा ,गुल,दोहरा, बीड़ी,सिगरेट, हुक्का, जैसे तंबाकू उत्पादों का सेवन सार्वजनिक रूप से करते है।जिसके कारण मुह और फेफड़े का कैंसर अपनी भयवाह ता प्रदर्शित कर रहा है।ज्यादातर तंबाकू की लत बचपन से लोगो मे पड़ने लगती हैं इसलिए सरकार ने तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के माध्यम से स्कूलों कालेजो में विभिन्न प्रतियोगिताओं एव संगोष्ठी कार्यशाला के माध्यम से तंबाकू की और दुष्प्रभाव बताये जा रहे है एवं अगर इसे कोई छोड़ना चाहते है तो उसके इलाज की भी व्यवस्था हैं।साथ ही विद्यालय के बच्चे अपना अपना तंबाकू के विषय पर अलग चित्रण और रंगोली प्रतियोगिता में भाग करके संदेश दिया कि तंबाकू जान लेवा हैं और सभी बच्चो को प्रमाण पत्र द्वारा सम्मानित किया गया जिसमें मुख्य रूप से कार्यक्रम का संचालन संस्थान के सचिव ओम प्रकाश मिश्रा जी ने किया समन्वय क गुड़िया सिंह ने किया और कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य रूप से मिथिलेश कुमार, संजय कुमार, कुलदीप यादव,रिया तिवारी, रिशा श्रीवास्तव ,क्षमता जैसल आदि समस्त लोग अपनी सहभागिता दिए।

अग्निशमन कर्मियों ने बच्चों को सिखाएं आग बुझाने के गुर

संवाददाता

सिकंदराराऊ । पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय इंटर कालेज वाजीदपुर में अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सौजन्य से मुख्यमंत्री स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत आग बुझाने की तकनीक का प्रदर्शन करते हुए छात्र-छात्राओं को आग पर काबू पाने के तरीके बताए गए। गुरुवार को अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने अचानक दुर्घटनावश आग लग जाने पर आग पर काबू कैसे पाएं । इसका अग्निशमन यंत्र द्वारा प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने गैस सिलिंडर में अचानक आग लग जाने पर जूट के कट्टे को पानी में भिगोकर जलती हुई लौ पर मारकर आग बुझाकर दिखाया।

विभाग के कर्मचारियों ने बच्चों से सिलिंडर में लगी आग को अग्निशमक यंत्र द्वारा बुझाकर दिखाई। फायर स्टेशन प्रभारी उदय प्रताप सिंह, फायरमैन मुकेश कुमार ,प्रशिक्षक जुगेंद्र पाल सिंह आदि कर्मचारियों ने बच्चों को अचानक लगी आग को बुझाने की जानकारी दी।

पुलिस ने 40 क्वार्टरों सहित दबोचा

हाथरस। जिला आवकारी अधिकारी सुबोध कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में आवकारी व पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा थाना मुरसान अंतर्गत बौहरान कस्बा में अवैध शराब के विभिन्न संदिग्ध अड्डों पर आकस्मिक दविश छापेमारी व चैकिंग की कार्यवाही की गई। इस दौरान मनीष शर्मा पुत्र सुरेशचंद्र शर्मा निवासी कस्बा बौहरान मुरसान को 40 पौवे अवैध विदेशी मदिरा प्रत्येक में 180 एम.एल. कुल मात्रा 2.7 बल्क लीटर, ब्रांड युवराज राजस्थान राज्य में बिक्री हेतु अनुमन्य के साथ गिरफ्तार किया गया।

हाथरस विधानसभा सीट से संजीव कुमार काका बसपा प्रत्याशी घोषित

उत्तर प्रदेश में बसपा सरकार बनते ही होगा कानून का राज : सतीश मिश्रा

संवाददाता

हाथरस। उत्तर प्रदेश में वर्तमान भाजपा सरकार चल रही है और सरकार के क्रियाकलाप से जनता पूरी तरह वाकिफ है तथा सपा शासन में दंगे फसाद होते थे। जबकि बसपा सरकार में कानून का राज चलता था। जिन लोगों को राजनीति करनी होती है वह दंगे कराते हैं। भाजपा सरकार झूंठे वादों को करके सत्ता में आई है वह वायदे सरकार ने पूरे नहीं किए हैं और धोखा देने का काम किया है। सपा, भाजपा मिलकर काम कर रहे हैं। केंद्र सरकार ने मजबूरन चुनावों के चलते कृषि कानूनों को निरस्त किया है। लेकिन चुनाव बाद फिर से कृषि कानून थौंपे जाएंगे। बसपा द्वारा हाथरस विधानसभा सीट से विजयगढ़ के चेयरमैन संजीव कुमार काका को प्रत्याशी घोषित किया गया है तथा इस मौके पर बसपा के राष्ट्रीय महासचिव का बसपा कार्यकर्ताओं द्वारा फूल मालाओं से लादकर जोरदार स्वागत किया गया एवं जनसभा में उमड़ी भारी भीड़ को देखकर बसपाई बेहद गदगद नजर आए। उक्त बातें आज बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद सतीश चंद्र मिश्रा द्वारा बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय की नीतियों पर आधारित सरकार बनाने हेतु सुरक्षित विधानसभा सीटों के आयोजित विशाल मंडलीय कार्यकर्ता सम्मेलन एवं जनसभा में आगरा बाईपास मार्ग स्थित आर.एस. गार्डन में संबोधित करते हुए कहीं गई। बसपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद सतीश चंद्र मिश्रा ने जनसभा एवं कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार चल रही है और इससे पहले सपा की सरकार थी। उन्होंने कहा कि इनके क्रियाकलाप व इनकी कथनी करनी को आप सब जानते हैं। उन्होंने कहा कि सपा शासन में सरकार बनते ही पूरे प्रदेश का माहौल बदल गया था और उत्तर प्रदेश में जो कानून का राज चलता था, उसे सपा सरकार ने पहले ही दिन आते ही खत्म कर दिया था। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि किस तरह पूरे प्रदेश में गुंडाराज, माफिया राज, दहशत गर्दी, बलात्कार, डकैती, फिरौती, रोजगार छीनना पूरे 5 साल तक होता रहा। उन्होंने कहा कि सपा शासन में पूरे प्रदेश में एक नहीं सैकड़ों दंगे हुए। श्री मिश्रा ने कहा कि दंगे अपने आप नहीं होते। जिन लोगों को राजनीति करनी होती है वह दंगें कराते हैं और जिनको दंगों से राजनीति नहीं करनी है वह दंगें नहीं कराते हैं। उन्होंने कहा कि बसपा सुप्रीमो बहन मायावती के शासन में पूरे 5 साल तक एक भी दंगा फसाद नहीं हुआ और पूरे प्रदेश में अमन चैन शांति व भाईचारा बन कर रहा तथा 5 साल तक कोई भी लड़ाई झगड़ा भी नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि सपा, भाजपा मिलकर काम कर रहे हैं तथा 2003 में बसपा के 37 विधायकों को तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष ने तोड़कर सपा की सरकार बनाई थी और भाजपा ने उसका समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि जिसके विरोध में हम लोग सर्वोच्च न्यायालय में गए और हम जीते और सर्वोच्च न्यायालय ने माना कि सरकार बनाने में गलत निर्णय लिया गया।

सीडीएस जनरल बिपिन रावत के निधन पर शोक सभा करके दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

संवाददाता

अलीगढ़। 8 यूपी बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल आरके सागवान एवं प्रशासनिक अधिकारी कर्नल अंजनी कुमार सिंह के दिशा निर्देश पर बाबूलाल जैन इंटर कॉलेज में सीडीएस जनरल बिपिन रावत जी के निधन पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि एनसीसी कैडेटों द्वारा शोक सभा हुई। प्रधानाचार्य जी श्री अंबुज जैन जी ने शोक सभा में कहा आज हमारे देश को बहुत बड़ी छठी पहुंची है इसकी भरपाई कभी भी पूरी नहीं की जा सकती समस्त एनसीसी कैडेट पूरा विद्यालय परिवार शोकाकुल में डूबा हुआ है इस मौके पर एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट पंकज कुमार, विद्यालय परिवार श्री मोहित जैन जी, श्री पी सी शर्मा जी, प्रदीप जैन परीक्षा प्रभारी, दिलीप जैन, मनीष जैन, डॉक्टर जयवीर उपाध्याय प्रेमपाल सिंह और विद्यालय का समस्त स्टाफ सीनियर कैडेट्स कन्हैया, अरुण, हर्षित राठौर, चंद्रमणि, और समस्त एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे।

शिवसेना के जनसम्पर्क अध्यक्ष पवन शर्मा सीडीएस जनरल विपिन रावत और उनकी पत्नी श्रीमती मधुलिका रावत तथा अन्य सशत्र बजल कर्मियों की हैलीकाप्रटर दुर्घटना में हुई मृत्यु पर गहरा दुःख प्रकट किया।

समस्याओं को सुना

संवाददाता

मुजफ्फरनगर। ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक मोरना द्वारा अपने कार्यालय कक्ष से आईटी रूम में अवशेष घोषणा पत्र भरवाने कि स्वयं मौके पर पहुंचकर समीक्षा की। जिलाधिकारी चंद्र भूषण सिंह के निर्देशानुसार ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक मोरना जे0पी0 दिवाकर द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में जनता दर्शन में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन कराते हुए कृषको की समस्याओं/शिकायतों को गम्भीरता पूर्वक सुन कर उसका मौके पर निस्तारण किया गया। तथा आईटी रूम में अवशेष घोषणा पत्र भरवाने कि स्वयं मौके पर पहुंचकर समीक्षा की गई एवं उपस्थित कृषकों को घोषणा पत्र भरवाने के लिए कहा गया। इस अवसर सहित जनता दर्शन में आये आम जन उपस्थित रहे।

पुलिस ने शातिर को पकड़ा

मुजफ्फरनगर/संवाददाता। थाना सिविल लाइन प्रभारी विजेंदर सिंह रावत के द्वारा लगातार अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाए हुए हैं। विदित हो कि थाना प्रभारी सिविल लाइन विजेंद्र सिंह रावत कानून व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से लगातार क्षेत्र में पैदल गस्त व अपराधियों पर पैनी नजर बनाये हुए है तथा ऐसे असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्यवाही अमल में लाकर उन्हें जेल भेज रहें। ऐसे ही एक शातिर अपराधी जिसके खिलाफ लगभग एक दर्जन मुकदमे पूर्व में दर्ज है ऐसे शातिर अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त करते हुए उसे जेल भेजा हैं।थाना सिविल लाइन पुलिस द्वारा शातिर अपराधी सनी कुमार पुत्र रतिराम, निवासी काशीराम कॉलोनी, थाना सिविल लाइन मुजफ्फरनगर को एक अदद् नाजायज चाकू के साथ गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त सनी कुमार एक शातिर अपराधी है, जो इससे पूर्व में भी थाना पुलिस द्वारा विभिन्न अपराधों में गिरफ्तार कर जिला कारागार मुजफ्फरनगर विरोध किया जा चुका है ।

समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया

मुजफ्फरनगर। जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर के अध्यक्षता में व्यापार बंधु/उत्तर प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड बैठक संपन्न हुई। कलक्ट्रेट स्थित लोकवाणी सभागार में जिलाधिकारी चंद्र भूषण सिंह की अध्यक्षता में व्यापार बंधु/उत्तर प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड की बैठक आहूत की गई, जिसमें शहर के व्यापारियों ने नगर में आ रही विभिन्न प्रकार की समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया। जिसमें शहर के विभिन्न क्षेत्रों एवं गलियों में टूटी हुई सड़कें, बिजली विभाग के लटके हुए बिजली के तार, एआरटीओ कार्यालय में लाइसेंस संबंधित फोटो कार्य की समस्याओं एवं भीड़ तथा शहर में ई-रिक्शा के जंजाल से मुक्ति एव उनके द्वारा किए जा रहे ट्रैफिक के नियमों की अवहेलना, सीसीटीवी कैमरा, बाजारों में स्ट्रीट लाइट के संबंध में जिलाधिकारी के समक्ष अपनी शिकायतें रखी। जिस पर जिलाधिकारी ने मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण एवं नगर पालिका के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल्द से जल्द प्राप्त शिकायतों के आधार पर सर्वे करते हुए सड़कों की मरम्मत व निर्माण कराया जाए तथा सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया कि कार्यालय में लाइसेंस बनवाने वाले व्यक्तियों के लिए अधिक फोटोग्राफी मशीन की व्यवस्था कराई जाए एवं बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया की रेवम्प योजना के अंतर्गत बिजली के तारों को अंडरग्राउंड कराने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी प्रशासन एवं अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर को निर्देशित करते हुए कहा कि संयुक्त रूप से बाजारो का निरीक्षण कर स्ट्रीट लाइट लगवाई जाए तथा जहां कहीं भी स्ट्रीट लाइट खराब मिले उनको तत्काल बदलवाया जाए। साथ ही जिलाधिकारी ने नगर मजिस्ट्रेट, अधिशासी अधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक, यातायात की संयुक्त कमेटी गठित करते हुए अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान चलाया चलाया जाए, जिससे कि बाजारों में अनावश्यक रूप से भीड़ इकट्ठा ना हो तथा सहायक श्रम आयुक्त को निर्देशित किया कि शहर में साप्ताहिक बंदी वाले दिन क्षेत्र में भ्रमण करते हुए बंदी के नियमों का पालन कराना सुनिश्चित करें ।

बस, ट्रक, टैम्पो, ऑटो और ई-रिक्शा चालकों की ऑनलाइन सड़क सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन सारथा हाल में किया गया

संवाददाता

अलीगढ़। डीएम श्रीमती सेल्वा कुमारी जे के निर्देश पर तृतीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के अन्तर्गत चतुर्थ दिवस गुरूवार को संभागीय परिवहन कार्यालय, अलीगढ़ के सारथी भवन हॉल में परिवहन विभाग एवं इण्डियन रोड सेफ्टी कैम्पेन के सहयोग से बस, ट्रक, टैम्पो, ऑटो और ई-रिक्शा चालकों की ऑनलाइन सड़क सुरक्षा कार्यशाला (क्ममिदेपअम त्तपअपदह ज्तंपदपदह) का सिस्को वेबेक्स एप्प के माध्यम से आयोजन किया गया। कार्यशाला में एल0ई0डी0 स्क्रीन पर सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन किये जाने हेतु उपस्थित चालकों, कार्यालय के कर्मचारियों एवं कार्यालय में कार्य कराने हेतु आने वाले आवेदकों को जागरूक किया गया। उपस्थित लोगों को शराब पीकर वाहन न चलाने, ओवरस्पीडिंग न करने, बिना हेलमेट के दुपहिया न चलाने एवं बिना सीटबेल्ट के चार पहिया वाहन न चलाये जाने के लिये प्रेरित किया गया।

सेव लाइफ फाउण्डेशन के मास्टर ट्रेनर द्वारा बताया गया कि दुर्घटना का प्रमुख कारण नींद और थकान है। नींद और थकान पर काबू पाने के लिये पर्याप्त सोना, पानी का सेवन करते रहना, आराम करना, छोटे-छोट भोजन करना तथा व्यायाम करना शामिल है। दुर्घटना का दूसरा कारण वाहन का असुरिक्षत होना है, इसके लिये टायर का दबाव, ब्रेक पैड, तेल और कूलेन्ट, टायर की दशा आदि का ध्यान रखना जरूरी है। दुर्घटना की तीसरा कारण अन्य वाहन चालकों, रोड यूजर के व्यवहार को पहचानना है। इसलिये मुड़ने से पहले रियर मिरर के साथ-साथ अपने दायें और बायें भी देखना चाहिए, अचानक रोकना या मोड़ना नहीं चाहिए। दुर्घटना का चौथा कारण खराब सड़कें एवं मौसम है। धुन्ध, कोहरा, वर्षा, आँधी वाले मौसम में धीमी गति से गाड़ी चलानी चाहिए। अन्धे मोड़ पर हॉर्न बजाना चाहिये। दुर्घटना का पाँचवा कारण है नशा करके वाहन चलाना।एक पैग पीने से दुर्घटना की आशंका दो गुना बढ़ जाती है, 2 पैग पीने से दुर्घटना की आंशका तीन गुना और 4 पैग पीने से दुर्घटना की आशंका 7 गुना तक बढ़ जाती है। दुर्घटना का छठां कारण ओवरस्पीडिंग है। ओवरस्पीडिंग करने से वाहन को रोकने का रेस्पान्स टाइम कम हो जाता है, जिसके कारण वाहन अचानक रूक नहीं पाती और दुर्घटना का कारण बनती है। श्री अमिताभ चतुर्वेदी, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) अलीगढ़ द्वारा बताया गया कि भारत सरकार द्वारा गुड सेमेरिटन (नेक आदमी) को पुरस्कृत किये जाने की योजना लागू की गयी है, जिससे आम नागरिक सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुँचाने के लिये प्रेरित हो तथा इस प्रकार दुर्घटना में मरने वाले व्यक्तियों की संख्या में कमी लायी जा सके। किसी गुड सेमेरिटन (नेक आदमी) के द्वारा दुर्घटना में गंभीर घायल व्यक्ति को दुर्घटना के घटित होने के एक घंटे के भीतर चिकित्सीय उपचार हेतु अस्पताल पहुँचा दिया जाता है, वह इस योजना के अन्तर्गत पुरस्कृत किये जाने के पात्र होंगे। गंभीर घायल से तात्पर्य ऐसे मामलों से हैं, जिनमें बड़ा ऑपरेशन होना अथवा कम से कम तीन दिन अस्पताल में भर्ती होना अथवा मस्तिष्क की चोट अथवा रीढ की हड्डी की चोट के इलाज से है। योजना के अन्तर्गत एक नेक व्यक्ति को एक वर्ष में अधिकतम 5 बार पुरस्कृत किया जा सकता है।

एनसीसी कैडिटों के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के दौरान अग्निशमन यंत्रों का प्रशिक्षण

संवाददाता

हाथरस। आर.पी.एम. सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में 9 उ.प्र. वाहिनी एन.सी.सी. द्वारा आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में आज एनसीसी के कैडिटों को फायर बिग्रेड के फायर मैनों द्वारा आग लगने के कारण और आग से बचाव के बारें में प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही उन्होंने कैडिटों को बताया कि आग लगाने के दौरान आम आदमी की सुरक्षा कैसे की जाती है और कैसे उसको सुरक्षित व सुरक्षित स्थान पर पहुचाया जा सकता है। उन्होनें एनसीसी के कैडिटों को अग्निशमन यन्त्र के बारे में जानकारी व प्रशिक्षण दिया। कैडिटों ने भी अग्निशमन यन्त्र का प्रयोग कर आग को बुझा कर देखा। फायर बिग्रेड का प्रशिक्षण को देने का मुख्य उद्देश्य यह था कि अगर कही आग लगे तो एनसीसी कैडिट निर्भय होकर आग को बुझा सकें। 9 उ. प्र. वाहिनी एनसीसी ने कैडिटों को प्रशिक्षित करने के लिये फायर बिग्रेड का आभार व्यक्त किया।

कैम्प के दौरान एनसीसी कैड्टिों को जिला चिकित्सालय के डॉ. संदीप, डॉ. शैलेन्द्र एवं डॉ.संतोष और उनकी टीम द्वारा कोविड-19 एवं अन्य टैस्ट किये गये। जिसमें सभी कैडिट स्वस्थ पाये गये तथा कैडिटों को कोविड-19 के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

एनसीसी के कैडिटों को फील्ड क्राफ्ट के बारे में भी बताया गया। उन्हें बताया कि फील्ड क्राफ्ट वह कला है जिसके द्वारा हम युद्ध के समय उपलब्ध भूमि का समुचित उपयोग करना सीखते हैं। साथ ही उन्हें बताया कि यादि आप फील्ड क्राफ्ट में निपुण है, तभी आप भूमि पर लक्ष्य की ओर आगे बढ़ सकते हैं। यह कला आपको इतना निपुण बना देती है कि आप किसी भी प्रकार की भूमि, जंगल, पर्वत, घाटी, बर्फ, नदी, रेगिस्तान आदि में शत्रु पर काबू पाने में सक्षम हो जायेंगे।

बस, ट्रक, टैम्पो, ऑटो और ई-रिक्शा चालकों की ऑनलाइन सड़क सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन सारथा हाल में किया गया

संवाददाता

अलीगढ़। डीएम श्रीमती सेल्वा कुमारी जे के निर्देश पर तृतीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के अन्तर्गत चतुर्थ दिवस गुरूवार को संभागीय परिवहन कार्यालय, अलीगढ़ के सारथी भवन हॉल में परिवहन विभाग एवं इण्डियन रोड सेफ्टी कैम्पेन के सहयोग से बस, ट्रक, टैम्पो, ऑटो और ई-रिक्शा चालकों की ऑनलाइन सड़क सुरक्षा कार्यशाला (क्ममिदेपअम त्तपअपदह ज्तंपदपदह) का सिस्को वेबेक्स एप्प के माध्यम से आयोजन किया गया। कार्यशाला में एल0ई0डी0 स्क्रीन पर सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन किये जाने हेतु उपस्थित चालकों, कार्यालय के कर्मचारियों एवं कार्यालय में कार्य कराने हेतु आने वाले आवेदकों को जागरूक किया गया। उपस्थित लोगों को शराब पीकर वाहन न चलाने, ओवरस्पीडिंग न करने, बिना हेलमेट के दुपहिया न चलाने एवं बिना सीटबेल्ट के चार पहिया वाहन न चलाये जाने के लिये प्रेरित किया गया।

सेव लाइफ फाउण्डेशन के मास्टर ट्रेनर द्वारा बताया गया कि दुर्घटना का प्रमुख कारण नींद और थकान है। नींद और थकान पर काबू पाने के लिये पर्याप्त सोना, पानी का सेवन करते रहना, आराम करना, छोटे-छोट भोजन करना तथा व्यायाम करना शामिल है। दुर्घटना का दूसरा कारण वाहन का असुरिक्षत होना है, इसके लिये टायर का दबाव, ब्रेक पैड, तेल और कूलेन्ट, टायर की दशा आदि का ध्यान रखना जरूरी है। दुर्घटना की तीसरा कारण अन्य वाहन चालकों, रोड यूजर के व्यवहार को पहचानना है। इसलिये मुड़ने से पहले रियर मिरर के साथ-साथ अपने दायें और बायें भी देखना चाहिए, अचानक रोकना या मोड़ना नहीं चाहिए। दुर्घटना का चौथा कारण खराब सड़कें एवं मौसम है। धुन्ध, कोहरा, वर्षा, आँधी वाले मौसम में धीमी गति से गाड़ी चलानी चाहिए। अन्धे मोड़ पर हॉर्न बजाना चाहिये। दुर्घटना का पाँचवा कारण है नशा करके वाहन चलाना।एक पैग पीने से दुर्घटना की आशंका दो गुना बढ़ जाती है, 2 पैग पीने से दुर्घटना की आंशका तीन गुना और 4 पैग पीने से दुर्घटना की आशंका 7 गुना तक बढ़ जाती है। दुर्घटना का छठां कारण ओवरस्पीडिंग है। ओवरस्पीडिंग करने से वाहन को रोकने का रेस्पान्स टाइम कम हो जाता है, जिसके कारण वाहन अचानक रूक नहीं पाती और दुर्घटना का कारण बनती है। श्री अमिताभ चतुर्वेदी, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) अलीगढ़ द्वारा बताया गया कि भारत सरकार द्वारा गुड सेमेरिटन (नेक आदमी) को पुरस्कृत किये जाने की योजना लागू की गयी है, जिससे आम नागरिक सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुँचाने के लिये प्रेरित हो तथा इस प्रकार दुर्घटना में मरने वाले व्यक्तियों की संख्या में कमी लायी जा सके। किसी गुड सेमेरिटन (नेक आदमी) के द्वारा दुर्घटना में गंभीर घायल व्यक्ति को दुर्घटना के घटित होने के एक घंटे के भीतर चिकित्सीय उपचार हेतु अस्पताल पहुँचा दिया जाता है, वह इस योजना के अन्तर्गत पुरस्कृत किये जाने के पात्र होंगे। गंभीर घायल से तात्पर्य ऐसे मामलों से हैं, जिनमें बड़ा ऑपरेशन होना अथवा कम से कम तीन दिन अस्पताल में भर्ती होना अथवा मस्तिष्क की चोट अथवा रीढ की हड्डी की चोट के इलाज से है। योजना के अन्तर्गत एक नेक व्यक्ति को एक वर्ष में अधिकतम 5 बार पुरस्कृत किया जा सकता है। इस योजना के अन्तर्गत प्रत्येक गुड सेमेरिटन (नेक आदमी) को रू0 5000 की पुरस्कार धनराशि प्रदान की जायेगी।

राष्ट्रीय स्तर पर प्रत्येक वर्ष चयनित दस गुड सेमेरिटन को प्रशस्ति पत्र एवं रू0 1 लाख के पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा। रंजीत सिंह, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशा0) अलीगढ़ द्वारा उपस्थित सभी लोगों से ओवरस्पीडिंग न करने एवं नशे की हालत में वाहन न चलाने के प्रति जागरूक किया गया।

रोजगार मेले का आयोजन आज

सहारनपुर। जनपद के बेरोजगारों युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 10 दिसम्बर 2021 को प्रातः 10:00 बजे क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय के प्रांगण में रोजगार मेले का आयोजन किया जायेगा।

रोजगार मेले में अनेकों बड़ी कम्पनियां प्रतिभाग करेंगी। रोजगार मेले में भाग लेने के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों का ऑनलाईन पंजीकरण होना अनिवार्य है। सहायक निदेशक क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय शिव ललित सिंह ने आज यहां यह जानकारी दी है। उन्होने बताया कि 10 दिसम्बर को क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय में रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। कार्यालय में होने वाले साक्षात्कार में भाग लिया जा सकता है।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत कैंप आयोजित

संवाददाता

हाथरस। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत मुख्य चिकित्साधिकारी के निर्देशन में समस्त चिकित्सा इकाइयों पर गर्भवतियों का महिला चिकित्सकों द्वारा परीक्षण किया गया। जिसमें महिलाओं के एंट्री नेटल चेकअप किए गए। शासन के दिशा निर्देशों के अनुसार समस्त चिकित्सा इकाइयों पर प्रत्येक माह की 9 तारीख को प्रधानमंत्री मातृ सुरक्षित अभियान मनाया जाता है। इसके तहत समस्त गर्भवती महिलाओं के हीमोग्लोबिन, बीपी की जांच, गर्भवती महिलाओं की लम्बाई एवं वजन, शरीर के तापमान की जांच, यूरिन की जांच, शुगर आदि की जांच कर महिलाओं को सुरक्षित प्रसव के संबंध में सलाह दी गई।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत पहली बार गर्भ धारण करने वाली महिलाओं को चिन्हित कर उनसे फॉर्म भरवाए गए। इससे 5 हजार रुपये तीन किस्तों में मिल सकेगा। पहली बार गर्भधारण करने पर 150 दिन के भीतर प्रथम किस्त के रूप में 1000 रुपये, दूसरी किस्त प्रसव पूर्व जांच होने पर 2000 रुपये एवं तीसरी किस्त प्रसव के उपरांत साढ़े तीन माह तक के सभी टीके बच्चे को लग जाने के बाद 2000 रुपये लाभार्थी के खाते में भेजे जाते हैं। इस मौके पर परिवार नियोजन के साधनों की भी जानकारी दी गई। कैंप में आई महिलाओं को फल आदि भी वितरित किए गए।

मेटरनल हेल्थ कंसल्टेंट उषा रानी ने ब्लॉक सासनी का पर्यवेक्षण किया। जिला कार्यक्रम समन्वयक अवनेन्द्र कुमार राठौर ने हसायन का निरीक्षण किया। डा प्रभात सिंह ने जिला महिला अस्पताल में व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिला कार्यक्रम समन्वयक अवनेंद्र कुमार राठौर ने बताया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ लेने के लिए प्रथम बार गर्भ धारण करने वाली पात्र महिला लाभार्थी राज्य स्तर से जारी हेल्पलाइन नंबर 7998799804 व क्षेत्रीय आशा एवं एएनएम से संपर्क करें और योजना का लाभ उठाए।

किशोर 3 दिन से लापता

संवाददाता

सिकन्द्राराऊ। कोतवाली क्षेत्र के गांव हरचंदपुर निवासी एक 14 वर्षीय किशोर तीन दिन से लापता है। जिसका कोई सुराग नहीं लगा है। किशोर के लापता होने से परिजन खासे परेशान हैं। गांव हरचंदपुर (कचौरा) निवासी 14 वर्षीय महेश पुत्र लालाराम गत मंगलवार की शाम को 5 बजे घर से गांव में ही घूमने के लिए गया था। जो घर पर देर शाम तक वापस नहीं लौटा।

परिजनों ने किशोर को काफी तलाश किया। किन्तु उसका कोई सुराग नहीं लगा। परिजनों ने कोतवाली पुलिस को किशोर की गुमशुदगी की सूचना दी है।

कैटरीना-विक्की की शादी के बीच आई एक्टर की एक्स गर्लफ्रैंड!

बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ और विक्की कौशल की शादी जल्द ही होने वाली है. इस बीच विक्की की एक्स गर्लफ्रैंड हरलीन का एक पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. जिसमें उन्होंने कुछ ऐसा कह दिया है, जो अब चर्चा में है.

बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ और विक्की कौशल जल्द ही शादी करने वाले हैं. उनकी शादी में ज्यादा समय नहीं बचा है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों की शादी 09 दिसंबर को होने वाली है. ऐसे में दुल्हा-दुल्हन यानी विक्की-कैटरीना वेडिंग वेन्यू पर पहुंच गए हैं और शादी के पहले की रस्में शुरू हो गई हैं. जिसकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. इस बीच विक्की की एक्स गर्लफ्रैंड हरलीन का एक पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. जिसकी चर्चा हर तरफ हो रही है.

आगे बढ़ने से पहले आपको बता दें कि विक्की कौशल और हरलीन काफी समय तक रिलेशन में थे. जिसके बाद साल 2019 में दोनों का ब्रेकअप हुआ था. हरलीन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वो अक्सर अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं, जिन्हें उनके फैंस खूब पसंद करते हैं. हाल ही में उन्होंने एक पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, हर वक्त सिर्फ जीवन के मायने ढूंढ़ना ठीक वैसा ही है जैसा एक टोस्ट के मायने ढूंढ़ना. लेकिन कभी-कभी ये जरूरी होता है कि हम बिना कोई मायने निकाले टोस्ट को खा लें.

गौरतलब है कि विक्की और हरलीन दोनों ही अपनी लाइफ में मूव ऑन कर गए हैं. जहां एक तरफ हरलीन अपनी प्रोफेशनल लाइफ में बिज़ी हो गई है. वहीं, विक्की अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ अपनी लव लाइफ में भी काफी आगे बढ़ गए हैं. एक्टर जल्द ही 9 दिसंबर को कैटरीना से शादी करने वाले हैं. वहीं, एक इंटरव्यू के दौरान जब हरलीन से विक्की और उनके रिलेशन पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा था, मुझे उस जोन में लेकर न जाएं.

बता दें कि कैटरीना और विक्की राजस्थान के बरवरा में स्थित सिक्स सेंसेस फोर्ट में रॉयल वेडिंग करने वाले हैं. ऐसे में फैंस दोनों की शादी के लिए काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं. हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्हें दोनों की शादी की तस्वीरें इतनी आसानी से देखने को नहीं मिलेंगी. ऐसा इसलिए क्योंकि विक्की और कैटरीना ने अपनी शादी की तस्वीरें एक इंटरनैशनल मैग्जीन को बेच दिए हैं.

न्यूड होकर प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहुंची बिग बॉस कंटेस्टेंट, मचा बवाल

बिग बॉस अपने लड़ाई-झगड़े और कंट्रोवर्सी के लिए जाना जाता है. घर में कई ऐसे मामले देखने को मिल जाते हैं. जहां कंटेस्टेंट्स कुछ-न-कुछ ऐसी हरकत कर देते हैं, जिसके चलते वो चर्चा में आ जाते हैं. आज हम आपको ऐसे ही एक मामले के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां बिग बॉस की एक कंटेस्टेंट न्यूड होकर प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहुंच गई थी. उनके इस वीडियो पर हंगामा मच गया था. लोगों ने इसका जमकर विरोध किया था.

हम बात कर रहे हैं बिग बॉस 14 फेम अर्शी खान की. जिसने साल 2016 में भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान कहा था कि जो भी देश मैच जीतेगा तो वो न्यूड होकर उस देश का झंडा अपने शरीर पर पेंट करवाएंगी. जिसके बाद इस मैच में पाकिस्तान को भारतीय टीम से मुंह की खानी पड़ी थी. ऐसे में अर्शी ने न्यूड होकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी. हालांकि, इस दौरान उन्होंने एक बेडशीट से अपनी बॉडी को ढक रखा था. प्रेस कॉन्फ्रेंस में अर्शी कहती हैं, मैंने कहा था कि अगर भारत जीतेगा तो मैं अपनी बॉडी पर तिरंगा बनाऊंगी तो मैंने बनवा लिया. मैंने ये भी कहा था कि अगर पाकिस्तान यानी अफरीदी साहब जीतेंगे तो मैं अपने शरीर पर पाकिस्तान का झंडा बनवाऊंगी, लेकिन पाकिस्तान हार गया. ऐसे में अर्शी ने अपने शरीर पर तिरंगा पेंट करवाया था. उनका ये वीडियो सामने आने के बाद काफी बवाल मचा था. यहां तक कि तिरंगे का अपमान करने के आरोप में उनके खिलाफ केस दर्ज हुआ था.

इसके अलावा उन्होंने बयान दिया था वो पाकिस्तान क्रिकेटर शाहिद अफरीदी के बच्चे की मां बनने वाली हैं. उनका कहना था कि वो अफरीदी के साथ रिलेशन में हैं. इस बीच दोनों में शारीरिक संबंध बने. ऐसे में वो उनके बच्चे की मां बनने वाली हैं. हालांकि, बाद में उन्होंने इस पर बात करते हुए कहा था कि एक सिर्फ एक पब्लिसिटी स्टंट था. उनका ये बयान काफी चर्चा में रहा था.

सामंथा ने तलाक पर दिल खोलकर कहा: मैंने सोचा था कि मैं टूट जाऊंगी और मर जाऊंगी

अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने आखिरकार अक्किनेनी नागा चैतन्य से अपने तलाक और अपने मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में खुलकर बात की। कुछ समय पहले, टॉलीवुड की मशहूर जोड़ी नागा चैतन्य और सामंथा ने अपने तलाक की घोषणा की थी, जिससे उनके प्रशंसकों में निराशा छा गई थी। जब से माजिली की अभिनेत्री ने नागा चैतन्य से अलग होने की घोषणा की है, तब से वह इस मुद्दे पर चुप हैं।

सामंथा ने कहा कि उन्हें लगा था कि वह टूट जाएंगी और मर जाएंगी। लेकिन, जैसा कि उन्होंने महसूस किया कि वह अपना जीवन जीने जा रही हैं। सभी मुद्दों के साथ, वह इतनी मजबूत महिला होने के लिए खुद की सराहना करती हैं।

शकुंतलम की अभिनेत्री ने कहा, मैं कभी नहीं जानती थी कि मैं इससे निकल सकती हूं। मुझे खुद पर गर्व है, क्योंकि मुझे कभी नहीं पता था कि मैं इतनी मजबूत हूं। सामंथा ने यह भी उल्लेख किया कि चैतन्य से उनके तलाक ने उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भारी असर डाला, लेकिन उन्होंने बेहतर होने के लिए अपने तरीके आजमाए।

सामंथा जल्द ही दो बहुभाषी परियोजनाओं पर काम करेगी, जिनमें से एक का शीर्षक यशोदा है। इसी के साथ सामंथा ने वादा किया है कि वह केवल अपनी मेहनत से अपने आलोचकों का मुंह बंद कर देगी और कुछ नहीं।

अहान शेट्टी की गोद में बैठी नजर आईं गर्लफ्रेंड तानिया श्रॉफ, पिता सुनील शेट्टी ने देख ऐसा दिया रिएक्शन

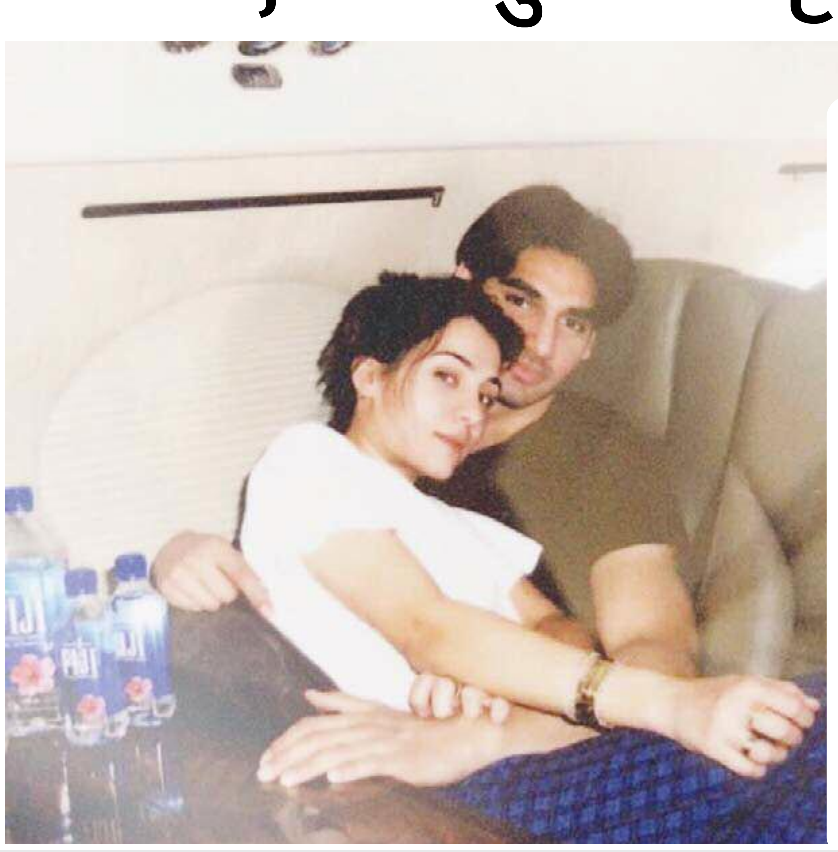

बॉलीवुड के मशहूर और दिग्गज अभिनेता सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी इन दिनों अपनी फिल्म तड़प को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई है जिसे दर्शकों का काफी प्यार मिल रहा है। तड़प अहान शेट्टी की डेब्यू फिल्म है। ऐसे में अहान शेट्टी की गर्लफ्रेंड ने उनके साथ सोशल मीडिया पर खास तस्वीरें शेयर कर प्यार जाहिर किया है।

अहान शेट्टी की गर्लफ्रेंड का नाम तानिया श्रॉफ है। तानिया ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म तड़प की शूटिंग की कई तस्वीरों को शेयर किया है। इन तस्वीरों में वह ब्वॉयफ्रेंड अहान शेट्टी और फिल्मी के कास्ट एंड क्रू के साथ नजर आ रही हैं। इनमें से एक तस्वीर में तानिया श्रॉफ अहान शेट्टी की गोद में बैठी नजर आ रही हैं। वहीं कुछ तस्वीरों में वह अहान के साथ बाइक राइडिंग एन्जॉय कर रही हैं।

इन सभी तस्वीरों को शेयर करते हुए तानिया श्रॉफ ने अहान शेट्टी के लिए प्यारभरा पोस्ट लिखा है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, किसी को पता नहीं चलेगा कि आपने कितना लगन और कोशिश की है, लेकिन मैं भाग्यशाली रही हूं कि मुझे आगे की लाइन में सीट मिली। आपने सभी उम्मीदों को पार कर लिया है और अभी भी अपने लिए सच्चे बने हुए हैं। तुम अपने काम में जो जुनून डालते हो। यह काफी प्रेरणा देने वाला है।

तानिया श्रॉफ ने आगे लिखा, लेकिन जो ज्यादा प्रभावशाली है, वह यह है कि तुम अपने प्रिय लोगों का सपोर्ट और सुरक्षा करना जारी रखते हो। मैं तुमको अंत तक प्यार करती हूं, हर मुश्किल को अपने साथ लेने के लिए। कभी मत बदलना। सोशल मीडिया पर तानिया श्रॉफ का यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है। अहान शेट्टी के फैंस उनके पोस्ट को खूब पसंद कर रहे हैं। साथ की कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं।

इतना ही नहीं अहान शेट्टी और सुनील शेट्टी ने भी तानिया श्रॉफ के पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। अहान शेट्टी ने पोस्ट पर कमेंट कर हुए लिखा, 'आई लव यू।' वहीं सुनील शेट्टी ने कमेंट में दिल का इमोजी बनाया है। बात करें अहान शेट्टी की फिल्म तड़प की तो इसमें उनके साथ तारा सुतारिया मुख्य भूमिका में हैं। वहीं फिल्म तड़प का निर्देशन मिलन लूथरिया ने किया है। तड़प तेलुगु फिल्म आरएक्स 100 का आधिकारिक रीमेक है।

पार्टनर को सरप्राइज देने के कुछ आसान तरीके

आम दिन को बनाएं खास

जब कोई खास दिन मसलन वैलेंटाइन डे, शादी की सालगिरह या जन्मदिन होता है, तब तो आपका पार्टनर आपसे कुछ उपहार की अपेक्षा करता ही है, लेकिन अगर आप अपने पार्टनर को सरप्राइज करना चाहते हैं तो आप किसी भी दिन को उनके लिए खास बना सकते हैं। यकीन मानिए वह सोचते ही रह जाएंगे कि आखिर उस दिन में ऐसा क्या खास है और शाम को जब उन्हें पता चलेगा कि आपने सारे सरप्राइज सिर्फ उन्हें खुश करने के लिए प्लॉन किए थे तो उनकी खुशी का ठिकाना ही नहीं रहेगा। वैसे भी कहते हैं न कि प्रेम करने या उसे व्यक्त करने के लिए कोई खास वक्त नहीं होता। आप अपने प्यार का इजहार कभी भी और कहीं भी कर सकते हैं।

छोड़ें लव मैसेज

पार्टनर को सरप्राइज करने का एक सबसे अच्छा तरीका होता है, उनके लिए लव मैसेज छोड़ना। इंटरनेट के इस युग में हर किसी के फोन में मैसेज सुविधा होती है लेकिन कागज पर लिखे लव मैसेज का कोई जवाब नहीं। आप अपने लव मैसेज की शुरूआत दिन के शुरू होने से कर सकते हैं। मसलन, आप उनके अलार्म के साथ लव मैसेज लिख सकते हैं या अलार्म साउंड में अपना प्यारा सा मैसेज बोल कर भी रिकॉर्ड कर सकते हैं। ऐसे में उनके दिन की शुरूआत आपकी प्यारी आवाज व आपके संदेश के साथ होगी। साथ ही जब वह फोन अलार्म बंद करने के लिए फोन उठाएंगे तो उनके चेहरे पर एक भीनी-भीनी सी मुस्कान भी होगी। इसके अतिरिक्त आप बाथरूम की विंडो, ब्रेकफास्ट के साथ, फ्रिज पर, बेड पर रखे उनके कपड़ों के साथ, लंच बॉक्स में, उनके बैग में भी लव मैसेज लिखकर छोड़ सकती हैं। लेकिन मैसेज छोड़ते समय इस बात का खास ख्याल रखें कि आपका लव मैसेज आपके पार्टनर को ही मिले।

करें खुलकर इजहार

आमतौर पर देखने में आता है कि कपल्स एक-दूसरे से मोहब्बत तो बेइंतहा करते हैं लेकिन कभी भी उसका इजहार नहीं करते। इसलिए अगर आप अपने पार्टनर को सरप्राइज करना चाहते हैं तो एक बार उनसे अपने प्यार का इजहार करें। ऐसा जरूरी नहीं है कि आप उनके सामने जाकर ही अपने प्यार का इजहार करें। आप चाहें तो उनके लिए रेडियो या टीवी पर भी अपना प्रेम मैसेज या उनके फेवरिट सॉन्ग डेडीकेट कर सकते हैं।

पकाएं कुछ खास

कहते हैं कि आदमी के दिल का रास्ता उसके पेट से होकर जाता है। इसलिए अगर आप अपने पार्टनर को सरप्राइज करना चाहती हैं तो इसके लिए सबसे बेहतर तरीका है कि आप उनके लिए उनका मनपसंद भोजन बनाएं। शाम को थक कर जब वह घर आएंगे तो अपने पसंदीदा भोजन को देखकर उनका चेहरा खिल उठेगा। आप अपने प्यार का इजहार करने के लिए अपनी डिश की शेप में भी चेंज कर सकती हैं। मसलन, अगर आप ब्रेकफास्ट में कटलेट बना रही हैं तो उसे राउंड बनाने की बजाय हॉर्ट शेप में बनाएं या फिर कॉफी के ऊपर दिल बनाकर ब्रेकफास्ट टेबल पर रखें। ठीक इसी तरह आप सलाद या खाने को भी अलग तरह से परोस कर अपने प्यार को बखूबी बयां कर सकते हैं। अगर आपके पास समय है तो आप खाने के साथ-साथ डेकोरेशन को भी थोड़ा खास बनाएं। आप घर की एंट्रेंस से ही ऐसा माहौल बनाएं, कि आपके पार्टनर बस सरप्राइज ही होते चले जाएं।

आपकी अच्छी सेहत के लिए बहुत जरूरी है अनार

अनार एक ऐसा फल है जो खाने में तो सभी को अच्छा लगता है लेकिन उसे छीलने की मेहनत कोई नहीं करना चाहता। दरअसल, अनार को छिलके में काफी समय खर्च होता है, इसलिए लोग इसे लाने से बचते हैं। लेकिन आज हम आपको अनार से मिलने वाले कुछ ऐसे फायदों के बारे में बताएंगे, जिन्हें जानने के बाद आप कभी भी अनार को अपने घर लाने से नहीं कतराएंगे। इतना ही नहीं, इसे छिलने में भी आपको किसी तरह का आलस नहीं होगा-

बढ़ाए खून

अनार में आयरन की प्रचुरता पाई जाती हैं, जिसके कारण यह आपके शरीर में खून के स्तर को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। यह तो आप जानते हैं कि भारत में अधिकतर लोग एनीमिक हैं और खून की कमी एनीमिक होने का एक मुख्य कारण है। इसलिए अगर आप एनीमिक हैं तो आपको प्रतिदिन अनार का सेवन अवश्य करना चाहिए।

दूर करें दुबलापन

ऐसे बहुत से लोग हैं जो शरीर के दुबलेपन से परेशान हैं। ऐसे में अनार के रस का सेवन विशेष रूप से लाभदायी माना जाता है। अगर आप प्रतिदिन खाली पेट अनार का रस पिएंगे तो कुछ ही दिनों में आपका वजन बढ़ने लगेगा। दुबलेपन को दूर करने के साथ-साथ यह शारीरिक कमजोरी को खत्म करने में भी काफी मददगार साबित होता है।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक

अनार सिर्फ आपको शारीरिक तौर पर ही लाभ नहीं पहुंचाता, बल्कि इसका सेवन आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी काफी अच्छा होता है। दरअसल, अनार में पॉलीफेनोल नामक सूक्ष्म पोषक तत्व पाया जाता है, न्यूरो डिजेनरेटिव बीमारियों से लड़ने में मदद करता है। इसलिए अगर आपकी याददाश्त कमजोर है या फिर तनाव से लेकर विभिन्न मानसिक बीमारियों में इसका सेवन काफी अच्छा माना जाता है।

शुगर करे नियंत्रित

अगर आप मधुमेह की समस्या से पीड़ित हैं तो भी आपको अनार का सेवन अवश्यक करना चाहिएं। दरअसल, इसमें फ्रक्टोज पाया जाता है और जब आप इसका सेवन करते हैं तो इससे आपकी शुगर नहीं बढ़ती। ऐसे में मधुमेह रोगी भी बेफ्रिक होकर इसे आसानी से खा सकते हैं।

पेट नहीं करेगा परेशान

अनार हमारी पेट की सभी परेशानियों को दूर करके पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है। अगर आपको कब्ज है तो आप अनार के छिलकों का पाउडर बनाकर उसे गर्म पानी के साथ लें। आपको तुरंत लाभ होगा। वहीं उल्टी, दस्त या पेट में दर्द होने की स्थिति में भी इसका सेवन किया जा सकता है। इस स्थिति में आप अनार के दानों में नमक और काली मिर्च लगाकर इसे खाएं। आपको तुरंत असर नजर आएगा।

खून करे पतला

आपको शायद पता न हो लेकिन अनार हमारे शरीर के लिए एक नेचुरल एस्पीरिन का काम करता है। यह न सिर्फ खून को पतला करता है, बल्कि जिन लोगों को खून के थक्के जमने की समस्या का सामना करना पड़ता है, उसे भी यह ठीक करता है। साथ ही ब्लड प्रेशर को भी नियंत्रित करने में मददगार है।

फ्रिज से बदबू को दूर करने के तरीके

जब आप सुबह उठते हैं और नाश्ता बनाने के लिए फ्रिज खोलते हैं तो उसमें से जब स्मेल आती है तो आपकी भूख ही मर जाती है। ऐसे में आपका मन ही नहीं करता कि आप नाश्ता तैयार करें। फ्रिज से आने वाली बदबू से न सिर्फ आपकी भूख पर विपरीत असर पड़ता है, बल्कि यह आपके स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक होता है। तो चलिए आज हम आपको फ्रिज की बदबू मिटाने के कुछ आसान तरीके बताते हैं–

करें खाली : अगर आपके पास समय है तो फ्रिज की बदबू मिटाने के लिए इस तरीके को अपनाया जा सकता है। इसके लिए आप फ्रिज को पूरी तरह साफ करें। इससे बदबू तो खत्म होगी ही, साथ ही फ्रिज भी साफ हो जाएगा। हालांकि इसमें आपको थोड़ा समय लग सकता है, इसलिए वीकेंड पर फ्रिज साफ करना एक अच्छा आईडिया हो सकता है। वहीं आपके फ्रिज में बदबू न हो, इसके लिए आप समय-समय पर अपने फ्रिज को अवश्य साफ करते रहें।

एयरटाइट कंटेनर का प्रयोग : अगर आप चाहते हैं कि आपके फ्रिज में खाने की चीजों की स्मेल न हो तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप अपने भोजन को एयरटाइट कंटेनर में बंद करके रखें। इससे खाने के सामान का खराब होने की आशंका भी काफी कम हो जाएगी।

नेचुरल क्लीनिंग साल्यूशन : यूं तो आपको बाजार में कई तरह के क्लीनिंग प्रॉडक्ट मिल जाते हैं, लेकिन इसमें मौजूद केमिकल्स से आपके हाथों व फ्रिज को भी नुकसान हो सकता है। ऐसे में अगर आप चाहें तो घरेलू चीजों की मदद से भी अपने फ्रिज को साफ कर सकते हैं। मसलन, बेकिंग सोडे के प्रयोग से फ्रिज को साफ करना एक अच्छा आईडिया हो सकता है। इसके लिए आप एक कटोरी में बेकिंग सोडा भरकर उसे फ्रिज में रख दें। सोडा धीरे-धीरे सारी बदबू को अब्जॉर्ब कर लेगा। ठीक इसी तरह, नींबू के स्लाइस को काटकर फ्रिज में रखने से उसकी स्मेल खत्म हो जाती है। वहीं सिरके और पानी को मिलाकर भी फ्रिज की बदबू को पूरी तरह खत्म किया जा सकता है। इससे आपका फ्रिज भी एकदम शाइन करने लगेगा। शायद आपको जानकर हैरानी हो लेकिन कॉफी के बीजों को फ्रिज में भरकर रखने से उसकी बदबू खत्म हो जाती है।

सही हो अरेंजमेंट : अमूमन लोग फ्रिज में अपने खाने का सामान रखते हैं लेकिन बहुत से लोगों को उसे रखने का तरीका पता ही नहीं होता। जिससे खाने का सामान खराब हो जाता है, जिससे खाने का नुकसान तो होता है ही, साथ ही फ्रिज में भी बदबू फैल जाती है। इस स्थिति से बचने का सबसे आसान तरीका है कि आप फ्रिज में खाने के सामान को सही तरह से अरेंज करें। उदाहरण के तौर पर, आप फलों और सब्जियों को फ्रिज के ऊपरी हिस्से में रखें ताकि जब भी आप फ्रिज खोलें तो आपको वह सामने ही नजर आ जाए और आप उन्हें खराब होने से पहले ही इस्तेमाल कर लें। इसके अतिरिक्त आप जल्दी खराब होने वाले सामान को फ्रिज में इस तरह रखें कि आपकी नजर उस पर आसानी से पड़ जाए।

खाना-खजाना

खजूर की चटनी

बनाने की सामग्रीः 100 ग्राम खजूर, 1/2 चम्मच लाल मिर्च पावडर, 1/2 चम्मच भुना जीरा पावडर, 1/4 चम्मच काला नमक, नमक स्वादानुसार।

बनाने की विधिः सबसे पहले सभी खजूर के बीच में से गुठली निकाल दें, फिर धोकर इसमें एक कप पानी डाल दें। 2 घंटे के लिए भीगने दें। 5 मिनट के लिए पकाए और ब्लेंडर में बारीक पीस लें। अब इसमें लाल मिर्च पावडर, जीरा पावडर, काला और सादा नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। लीजिए खजूर की चटनी तैयार है। इसे रोटी या पराठे के साथ पेश करें।

लजीज खीर

3 लोगों के लिए

सामग्री : चौथाई कप चावल, 4 कप दूध, चौथाई कप चीनी, चौथाई टी स्पून केसर, 2 चुटकी पिसी हुई हरी इलायची, 2 टे.स्पून भीगे हुए बादाम (लंबाई में कटे हुए), 1 टे.स्पून पिस्ता (लंबाई में कटा हुआ), 1 टी स्पून देसी घी।

बनाने की विधिः चावल को अच्छी तरह धोकर उसे पानी से निकाल लें। एक पैन में देसी घी गरम कर उसमें चावल डालकर 2 मिनट तक भूनें। अब उसमें दूध डालकर पकाये। जब दूध गाढ़ा होकर आधा रह जाये तो उसमें चीनी, केसर, इलायची, बादाम और पिस्ता डालकर कुछ देर और पकने दें। आंच से उतारकर ठंडा होने दें। अपनी इच्छानुसार ठंडा या गर्म सर्व करें।

कन्याकुमारी, जहां मिलते हैं अरब सागर और बंगाल की खाड़ी

भारतीय प्रायद्वीप के दक्षिणी क्षेत्र में स्थित पवित्र स्थान कन्याकुमारी के बारे में कहा जाता है कि स्वामी विवेकानंद जब ज्ञान की खोज में निकले थे तो यहीं पहुंच कर उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। यहां अरब सागर और बंगाल की खाड़ी हिंद महासागर में आकर मिलते हैं। इसलिए यहां तीन अलग-अलग रंगों की रेत देखने को मिलती है। शहर की भीड़ से दूर तथा तनाव व शोरगुल से भी दूर यह स्थान बड़ा शांतिमय है। यहां यदि शोर है तो वह है सिर्फ समुद्री लहरों का, जोकि कानों में संगीत की तरह गूंजता है। कन्याकुमारी के सूर्योदय और सूर्यास्त के दृश्य तो देखते ही बनते हैं। कन्याकुमारी का मंदिर कन्याकुमारी को ही अर्पित है। इस मंदिर को भारत के छोरों का रखवाला भी माना जाता है। इस मंदिर को मदुरै, रामेश्वरम और तिरूपति आदि मंदिरों की तरह ही पवित्र माना जाता है। इस मंदिर की खास बात यह है कि यहां केवल हिन्दू ही जा सकते हैं। यह मंदिर प्रातः चार बजे से लेकर ग्यारह बजे तक तथा उसके बाद सायं 5.30 से लेकर 8.30 तक खुला रहता है। यहां विवेकानन्द जी का स्मारक भी है। यह समुद्र के बीच एक विशाल शिला पर स्थित है। इस शिला पर बैठ कर ही स्वामी विवेकानंद जी ने साधना की थी। स्मारक के कक्ष में विवेकानन्द जी की विशाल मूर्ति भी है। स्मारक स्थल से चारों और फैले विशाल समुद्र का दृश्य आपको मंत्रमुग्ध कर देगा। कन्याकुमारी में महात्मा गांधी का स्मारक भी है। यहीं पर महात्मा गांधी का अस्थि कलश रखा गया था। यह स्मारक कन्याकुमारी मंदिर के ठीक पास ही बना हुआ है। पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र यह स्मारक अपनी अद्भुत कलाकृति के लिए भी जाना जाता है। कन्याकुमारी से लगभग 34 किलोमीटर दूर

स्थित उदयगिरि किला भी देखने योग्य है। इस किले को 18वीं शताब्दी में राजा मार्तंड वर्मा ने बनवाया था। इसके साथ ही आप गुगनंत स्वामी मंदिर भी देखने जा सकते हैं। इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह करीब एक हजार साल पुराना मंदिर है। इस मंदिर को एक चोल राजा ने बनवाया था। कन्याकुमारी आए हैं तो सुचिंद्रम देखना नहीं भूलें। यह कन्याकुमारी से लगभग 13 किलोमीटर दूर स्थित है। 9वीं शताब्दी के शिलालेख इस मंदिर में पाए जाते हैं। यहां पर भगवान शिव, भगवान ब्रह्मा और भगवान विष्णु की एक साथ पूजा की जाती है। यहां पर हनुमान जी की एक बड़ी मूर्ति है जो कि यहां की मूर्तिकला का जीता-जागता उदाहरण है। नागरकोयिल नागराज का अद्भुत मंदिर है। नागराज का मंदिर होते हुए भी इसमें भगवान शिव और भगवान विष्णु की मूर्तियां हैं। यहां का द्वार चीनी शिल्पकला में बनाया गया है। यहां आपको देखने को मिलेगा कि भक्तों को दिया गया प्रसाद जमीन से निकाला जाता है। यहां नागलिंग फूल भी पाया जाता है। यह मंदिर कन्याकुमारी से बीस किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां तक पहुंचने के लिए आपको आसानी से बसें मिल जाएंगी और यदि आप चाहें तो बंगलौर, चेन्नई, त्रिवेन्द्रम, मदुरै आदि जगहों से यहां रेल व सड़क मार्ग से भी आ सकते हैं।

बतौर बल्लेबाज और नेतृत्वकर्ता विराट की खूबियों की टीम को जरूरत : रोहित

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत के सीमित ओवरों की टीम के नए कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि विराट कोहली के दर्जे के बल्लेबाज और नेतृत्व कौशल की भारतीय टीम को काफी जरूरत है। टी20 टीम के कप्तान रोहित को विराट की जगह एक दिवसीय टीम की कप्तानी भी सौंपी गई है। उनका मानना है कि कप्तान का काम 20 प्रतिशत मैदान पर होता है और बाकी रणनीति में रहता है जिसमें वह चाहता है कि उसके खिलाड़ी आईसीसी के बड़े मुकाबलों की निर्णायक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बदतर के लिए भी तैयार रहें। उन्होंने यूट्यूब पर बैकस्टेज विद बोरिया कार्यक्रम में कहा , उसके जैसा बल्लेबाज टीम को हमेशा चाहिए। टी20 प्रारूप में 50 से अधिक का औसत अवास्तविक और जबर्दस्त है।वह कई बार भारत को संकट से बाहर निकाल चुका है। रोहित ने कहा , कप्तान का काम यह सुनिश्चित करना होता है कि सही खिलाड़ी खेल रहे हैं। सही संयोजन है और कुछ तकनीकी बातों को ध्यान में रखना होता है। उनका मानना है कि कप्तान को अपने प्रदर्शन से ही बोलना चाहिए वरना दूसरे खिलाड़ियों का सहारा बनकर उनके पीछे रहना चाहिए। उन्होंने कहा , कप्तान को खेलते समय आगे रहना चाहिए , वरना सबसे पीछे होना चाहिए। रोहित ने कहा , मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि वह पीछे रहकर बदलाव ला सकता है और यह सुनिश्चित कर सकता है कि वह सबके साथ है। इसलिए मैं कह रहा हूं कि उसे टीम का सबसे कम महत्वपूर्ण व्यक्ति होना चाहिए। उन्होंने कहा , मेरा काम ज्यादा बाहर होगा। खिलाड़ियों को उनकी जिम्मेदारी सौंपना और उम्मीद करना कि वे मैदान पर उन पर खरे उतरे। मैदान पर आपके पास तीन ही घंटे हैं जिनमें बहुत कुछ बदला नहीं जा सकता क्योंकि 11 खिलाड़ी खेल रहे हैं।मैदान पर बहुत बदलाव संभव नहीं हैं। रोहित ने आईपीएल में पांच बार खिताब जीते हैं लेकिन उनका कहना है कि टीम प्रबंधन ने मजबूत टीम तैयार की है और इस प्रदर्शन में उनकी भूमिका कम है। उन्होंने कहा कि वह बता नहीं सकते कि पिछले तीन आईसीसी टूर्नामेंटों (2017 चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल, 2019 विश्व कप सेमीफाइनल और इस साल टी20 विश्व कप) में गलती कहां हुई। उन्होंने कहा , हम शुरूआत चरण में हार गए।

विजय हजारे ट्राफी

अथर्व के नाबाद 164 रन, विदर्भ ने आंध्र प्रदेश को हराया

एजेंसी ■ मुंबई

सलामी बल्लेबाज अथर्व तायडे के 123 गेंद में नाबाद 164 रन की बदौलत विदर्भ ने गुरूवार को यहां विजय हजारे ट्राफी के ग्रुप ए मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए आंध्र प्रदेश पर आठ विकेट से जीत दर्ज की। गेंदबाजी का फैसला करने के बाद विदर्भ ने आंध्र को 41.4 ओवर में आठ विकेट पर 287 रन ही बनाने दिए। इस लक्ष्य का पीछा करने के दौरान अथर्व ने अपनी नाबाद पारी के दौरान 15 चौके और पांच छक्के जमाए। 21 साल के इस खिलाड़ी को गणेश सतीश (43) और यश राठौड़ (नाबाद 44 रन) का अच्छा साथ मिला। राठौड़ ने मैच में तीन विकेट भी लिए। आंध्र के लिए सी आर ज्ञानेश्वर (93) शीर्ष स्कोरर रहे जबकि अंबाती रायुडू (53) और पिन्निती तपस्वी (45) ने भी उपयोगी योगदान किया। इससे पहले यश ठाकुर (74 रन देकर तीन विकेट) और आदित्य सरवटे (45 रन देकर तीन विकेट) ने तीन तीन विकेट जबकि आदित्य ठाकरे ने आंध्र के दो विकेट झटके। फिर अथर्व की आक्रामक बल्लेबाजी से मैच एकतरफा हो गया। अन्य मैचों में हिमाचल प्रदेश ने हरफनमौला प्रदर्शन से जम्मू कश्मीर पर 63 रन की जीत हासिल की जबकि ओडिशा ने गुजरात को तीन विकेट से शिकस्त दी।

स्वामी श्रद्धानन्द कॉलेज आल इंडिया सीता रानी जुनेजा क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में

एजेंसी ■ नई दिल्ली

यशजीत बल्हारा 4 विकेट 38 रन देकर दीपक खत्री 50 रन सुमित माथुर 46 रन के शानदार बालेबाजी की मदद से स्वामी श्रद्धानन्द कॉलेज 8 विकेट पे 196 रन 40 ओवर ने हरियाणा क्रिकेट ग्राउंड छावला में खेले जा रहे आल इंडिया सीता रानी जुनेजा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में अम्बिका एम्स्टर्डम क्रिकेट अकादमी 180 आल आउट 39 ओवर को रोमांचक मैच में 16 रनो से हराकर फाइनल में प्रवेश किया हारी हुई टीम से अंकुश नागर 48 रन और 3 विकेट 32 रन देकर ली पर अपनी टीम को हार से न बचा पाए शानदार बोलिंग के लिए यशजीत बल्हारा को में ऑफ़ द मैच से सम्मानित किया गय।

आस्ट्रेलिया | इंग्लैंड की टीम अपनी पहली पारी में 147 रन पर आउट हो गई थी।

हेड और वार्नर ने दिलाई आस्ट्रेलिया को 196 रन की बढ़त

एजेंसी ■ ब्रिसबेन

डेविड वार्नर केवल छह रन से शतक से चूक गए लेकिन ट्रैविस हेड ने नाबाद शतक जड़ा जिससे आस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन गुरुवार को यहां अपनी पहली पारी में सात विकेट पर 343 रन बनाकर 196 रन की बड़ी बढ़त हासिल की। वार्नर ने तीन जीवनदान का फायदा उठाते हुए 94 रन की पारी खेली। उन्होंने मार्नस लाबुशेन (74) के साथ दूसरे विकेट के लिए 156 रन की साझेदारी की। इसके बाद आस्ट्रेलिया का मध्यक्रम लड़खड़ा गया लेकिन हेड ने 95 गेंदों पर 12 चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 112 रन बनाकर आस्ट्रेलिया की बड़ी बढ़त सुनिश्चित की। इंग्लैंड की टीम अपनी पहली पारी में 147 रन पर आउट हो गई थी। हेड के शतक के अलावा वार्नर को जीवनदान मिलना और बेन स्टोक्स का लगातार क्रीज से आगे पांव रखना गुरुवार को चर्चा के मुख्य विषय रहे। वार्नर जब 17 रन पर थे तब स्टोक्स ने उन्हें आउट कर दिया था लेकिन रीप्ले से पता चला कि गेंदबाज ने नोबॉल की है और अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा। इससे यह भी पता चला कि स्टोक्स ने अपनी पिछली तीन गेंदों पर भी क्रीज से आगे पांव रखा था लेकिन अंपायर ने उसे नोबॉल नहीं दिया था। बाद में आस्ट्रेलिया के एशेज प्रसारक चैनल 7 ने खुलासा किया कि स्टोक्स ने 14 बार अपना पांव क्रीज से आगे रखा था लेकिन केवल दो बार ही नोबॉल दी गई। लंच के तुरंत बाद वार्नर ने 48 रन के निजी योग पर ओली रोबिनसन की गेंद पर दूसरी स्लिप में कैच दिया लेकिन रोरी बर्न्स ने उसे छोड़ दिया। वार्नर तब 60 रन पर थे जब हसीब हमीद ने उन्हें रन आउट करने का आसान मौका गंवाया। लाबुशेन का भाग्य ने ऐसा साथ नहीं दिया। उन्होंने 116 गेंद की अपनी पारी में छह चौके और दो छक्के लगाए और गेंदबाजों पर दबदबा बनाया लेकिन लीच पर ढीला शॉट खेलकर मार्क वुड को आसान कैच दे बैठे। स्टीव स्मिथ (12) चाय के विश्राम से ठीक पहले वुड की गेंद पर विकेटकीपर जोस बटलर को कैच दे बैठे।

अफगानिस्तान जनवरी में कतर में नीदरलैंड की मेजबानी करेगा

एजेंसी ■ काबुल

अफगानिस्तान अगले साल जनवरी में तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला के लिए कतर की राजधानी दोहा में नीदरलैंड की मेजबानी करेगा। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने बयान में कहा, तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला 21 जनवरी से शुरू होगी, जिसमें दूसरा और तीसरा मैच क्रमशः 23 और 25 जनवरी को खेले जाएंगे। तीनों मैच का आयोजन एशियन टाउन क्रिकेट स्टेडियम दोहा, कतर में किया जाएगा। अफगानिस्तान ने वनडे सुपर लीग के तहत इस साल जनवरी में अपनी पहली श्रृंखला में आयरलैंड को 3-0 से हराकर 30 अंक हासिल किए थे। वनडे सुपर लीग में प्रदर्शन के आधार पर टीम विश्व कप 2023 के लिए क्वालीफाई करेंगी। नीदरलैंड के खिलाफ श्रृंखला के बाद अफगानिस्तान जनवरी और फरवरी में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलेगा। अफगानिस्तान को आईसीसी क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग के तहत 2023 तक आस्ट्रेलिया और पाकिस्तान की मेजबानी करनी है तथा फिर भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका का दौरा करना है।

फुटबॉल

बार्सिलोना चैंपियन्स लीग से बाहर

एजेंसी ■ म्यूनिख

बार्सिलोना का चैंपियन्स लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के नॉकआउट चरण में पहुंचने का पिछले 17 वर्षों से चला आ रहा अभियान बुधवार को यहां बायर्न म्यूनिख से 3-0 की हार के साथ ही थम गया। पांच बार का यूरोपीय चैंपियन बार्सिलोना इस तरह से ग्रुप ई में बायर्न और बेनफिका के बाद तीसरे स्थान पर रहा। बेनफिका ने डायनमो कीव को 2-0 से पराजित करके चैंपियन्स लीग के अंतिम 16 में जगह सुरक्षित की। पिछले महीने ही बार्सिलोना का कोच पद संभालने वाले झावी हर्नाडीज ने कहा, हम यहां से नए युग की शुरुआत करते हैं। बायर्न ने अपने सभी छह मुकाबले जीते जबकि बेनफिका ने डायनेमो कीव पर जीत से अपने अंकों की संख्या आठ पर पहुंचाई जो बार्सिलोना से एक अंक अधिक है। स्पेन का एक अन्य क्लब सेविला भी नॉकआउट में जगह नहीं बना पाया। ग्रुप जी में सभी चार टीम के पास आगे बढ़ने का मौका था लेकिन लिली ने वोल्फ्सबर्ग को 3-। से जबकि साल्जबर्ग ने सेविला को।-0 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई। सेविला तीसरे स्थान पर रहा। ग्रुप एच से मौजूदा चैंपियन चेल्सी और युवेंटस पहले ही नॉकआउट में जगह बना चुके थे। इन दोनों के बीच ग्रुप में शीर्ष पर रहने की होड़ थी। चेल्सी को रूस के जेनिट सेंट पीटर्सबर्ग क्लब ने 3-3 से ड्रा पर रोक दिया जबकि युवेंटस ने मालमो को।-0 से हराकर पहला स्थान हासिल किया।

सफेद गेंद की टीम के दो कप्तान नहीं रख सकते थे: गांगुली

एजेंसी ■ नई दिल्ली

बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने गुरूवार को कहा कि जब विराट कोहली ने भारत के टी20 कप्तान के तौर पर बने रहने से इनकार कर दिया था तो चयनकर्ताओं ने रोहित शर्मा को वनडे टीम की कमान सौंपने की मन बना लिया था क्योंकि राष्ट्रीय टीम सीमित ओवर के प्रारूप में दो अलग कप्तान नहीं रख सकती थी। बीसीसीआई ने बुधवार को रोहित को 2023 वनडे विश्व कप तक वनडे टीम का कप्तान नियुक्त किया और गांगुली ने पीटीआई के साथ बातचीत में इस मुद्दे पर कहा कि कोहली से इस संबंध में बात की गई थी और उन्होंने इस फैसले को स्वीकार कर लिया है। बीसीसीआई अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान ने पीटीआई से कहा, हमने विराट से अनुरोध किया था कि टी20 कप्तान के तौर पर पद से नहीं हटें लेकिन वह इस पद पर जारी नहीं रहना चाहते थे। इसलिए चयनकर्ताओं को लगा कि वे सफेद गेंद के दो प्रारूपों में दो सफेद गेंद के कप्तान नहीं रख सकते। इससे कप्तानी बहुत अधिक हो जाती। भारत के अक्टूबर-नवंबर में निराशाजनक विश्व कप अभियान के बाद कोहली ने टी20 कप्तानी छोड़ दी थी। गांगुली ने कहा कि चयनकर्ताओं को लगा कि सफेद गेंद के प्रारूप में कई कप्तानों से उलझन हो जाएगी इसलिए चेतन शर्मा की अगुआई वाली समिति ने सुझाव दिया कि बेहतर होगा कि एक ही कप्तान रहे। गांगुली ने कहा, मैं (उलझन के बारे में) नहीं जानता लेकिन उन्हें (चयनकर्ताओं को) यही लगा। इसी तरह इस निष्कर्ष पर पहुंचा गया कि रोहित सफेद गेंद के क्रिकेट और विराट लाल गेंद के क्रिकेट की टीम की कप्तानी करें। रोहित वनडे कप्तान के तौर पर कैसा करेंगे? गांगुली ने कहा कि वह कोई भविष्यवाणी नहीं करेंगे लेकिन उन्हें नए कप्तान की काबिलियत पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा, भविष्यवाणी करना बहुत मुश्किल है। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि वह अच्छा काम करें। लेकिन क्या इस बात को ध्यान में रखा गया था कि कोहली का 95 मैचों में वनडे कप्तान के तौर पर जीत का रिकार्ड 70 प्रतिशत से ज्यादा का है तो उन्होंने कहा, हां, हमने इस पर विचार किया था लेकिन अगर आप रोहित के रिकार्ड को देखो, उन्होंने जितने भी वनडे में भारत की कप्तानी की हो तो वह बहुत अच्छे रहे हैं। लेकिन बात यही है कि सफेद गेंद की टीमों के दो कप्तान नहीं हो सकते थे। कोहली की कप्तानी में टीम के कोई भी आईसीसी ट्राफी नहीं जीतने का सवाल भी पूछा गया कि लेकिन बोर्ड अध्यक्ष ने इस पर हुई चर्चा के बारे में बताने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, किन चीजों पर चर्चा हुई और चयनकर्ताओं ने क्या कहा, मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं बता सकता लेकिन रोहित को सफेद गेंद का कप्तान बनाने का मुख्य कारण यही है और विराट ने इसे स्वीकार कर लिया है।

बैडमिंटन | तीन गेम तक चले मैच में हार गई थी लेकिन अपने प्रदर्शन से उन्होंने खासा प्रभावित किया था

अपने कौशल को निखारने में लगी है युवा शटलर अदिति भट्ट

एजेंसी ■ नई दिल्ली

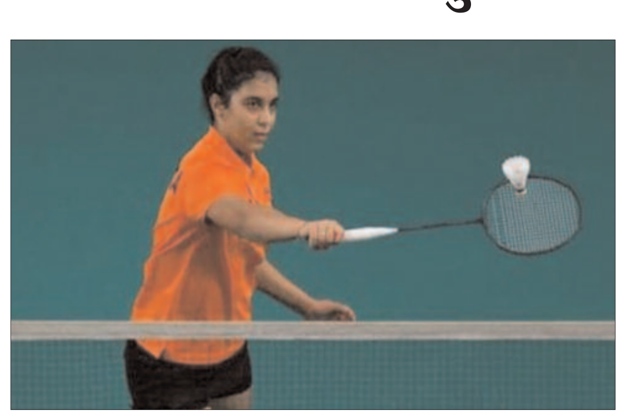

पिछले कुछ महीनों में शानदार परिणाम देने वाली युवा बैडमिंटन खिलाड़ी अदिति भट्ट अपने स्ट्रोक्स और दमखम पर ध्यान देकर अपेक्षाओं के दबाव को दूर करना चाहती हैं। उत्तराखंड की 18 वर्षीय अदिति ने उबेर कप फाइनल्स में थाईलैंड के खिलाफ मुकाबले में विश्व में 13वें नंबर की बुसानन ओंगबामरंगफान के सामने कड़ी चुनौती पेश की थी। वह तीन गेम तक चले मैच में हार गई थी लेकिन अपने प्रदर्शन से उन्होंने खासा प्रभावित किया था और उन्हें साइना नेहवाल और पीवी सिंधू की तरह देश की अगली बैडमिंटन स्टार कहा जाने लगा। डेनमार्क में अपने चार में से दो मैच जीतने वाली अदिति ने पीटीआई से कहा, जब लोग कहते हैं कि आप भविष्य हो और हम आपको ओलंपिक में देखना चाहते हैं तो कई बार यह डराने वाला हो सकता है। लोग आपसे बहुत उम्मीद करते हैं लेकिन यह ठीक है, किसी तरह का दबाव नहीं है। उन्होंने कहा, ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ियों (स्पेन की अनिया सेटियन और स्कॉटलैंड की रेचेल सुगडेन) के खिलाफ दो मैच जीतने के बाद मैं अच्छा प्रदर्शन करने के प्रति आश्वस्त थी लेकिन मैंने नहीं सोचा था कि मैं एक गेम (बुसानन के खिलाफ) जीतने में सफल रहूंगी। मैं अच्छा खेल रही थी और वह दबाव में थी क्योंकि वह जूनियर से खेल रही थी। यह शानदार मैच था। अदिति को इसका लाभ हंगरी अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में मिला जहां वह फाइनल्स में पहुंची। उन्हें चयन ट्रायल्स के जरिए सुदीरमन कप और उबेर कप के लिए भारतीय टीम में चुना गया था। उन्होंने कहा, जब मुझे सुदीरमन कप और उबेर कप के लिए चुना गया तो यह सपना सच होने जैसा था। टीम में सभी सीनियर खिलाड़ियों जैसे अश्विनी पोनप्पा ने मेरी काफी मदद की। उनका पहला मैच ओलंपिक चैंपियन चेन यू फी के खिलाफ था और अदिति ने कहा कि इससे उन्हें इस बात का अंदाजा हो गया कि सीनियर स्तर पर सफल होने के लिए उन्हें क्या करने की जरूरत है।

एक नजर

कनाडा भी करेगा बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक का राजनयिक बहिष्कार

टोरंटो। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा है कि मानवाधिकार चिंताओं के कारण उनका देश भी अमेरिका, ब्रिटेन और आस्ट्रेलिया की तरह बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक खेलों का राजनयिक बहिष्कार करेगा। कनाडा की इस घोषणा से पहले अमेरिका, आस्ट्रेलिया और ब्रिटिश सरकारों ने चीन में मानव अधिकारों के उल्लंघन को देखते हुए फरवरी में होने वाले शीतकालीन ओलंपिक खेलों का राजनयिक बहिष्कार करने का फैसला किया था। चीन ने कहा है कि वह इस पर ठोस जवाबी कार्वाई करेगा। ट्रूडो ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार इस मामले को लेकर अपने सहयोगियों के साथ बात कर रही है। उन्होंने कहा, चीन सरकार द्वारा बार-बार मानवाधिकारों के उल्लंघन से हम बेहद चिंतित हैं। उन्हें आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि हम कोई राजनयिक प्रतिनिधि नहीं भेज रहे हैं। कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन और आस्ट्रेलिया के फैसले का उनके खिलाड़ियों के खेलों में भाग लेने पर असर नहीं पड़ेगा।

पेन को फिर से आस्ट्रेलिया की तरफ से खेलते हुए देखना चाहता हूं : हॉक्ले

मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) निक हॉक्ले ने टिम पेन की देश की टेस्ट टीम में वापसी का समर्थन करते हुए कहा है कि वह पूर्व कप्तान को फिर से आस्ट्रेलिया के लिए खेलते और प्रदर्शन करते हुए देखना चाहते हैं। पेन ने 2017 में अपनी सहकर्मी को अश्लील संदेश भेजने का खुलासा होने के बाद टेस्ट कप्तानी छोड़ दी थी और बाद में वह अनिश्चितकाल के लिए अवकाश पर चले गए। हॉक्ले ने एसईएन रेडियो से कहा, हम उन्हें अपने प्रांत और आस्ट्रेलिया की तरफ से फिर से खेलते हुए देखना पसंद करेंगे। हम उन्हें जल्द से जल्द वापसी करके खेलते हुए और अच्छा प्रदर्शन करते हुए देखना चाहते हैं। बुधवार को अपना 37वां जन्मदिन मनाने वाले पेन को 2018 में केपटाउन में गेंद से छेड़छाड़ के मामले के बाद टेस्ट टीम की कप्तानी सौंपी गई थी।

स्मृति शेषहृहृ

सीडीएस जनरल रावत के निधन पर महाराजा गजसिंह ने गहरा शोक प्रकट किया

■ महाराजा गजसिंह

जोधपुर। भारत के प्रथम चीफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत व उनकी धर्मपत्नी मधुलिका रावत व साथ में आर्म्ड फोर्स के अफसरों एवं जवानों के 8 दिसम्बर को सेना के हेलीकॉप्टर क्रैश में हुए असामयिक निधन पर महाराजा गजसिंह ने गहरा शोक व्यक्त किया है। महाराजा गजसिंह जी के निजी सचिव जगत सिंह राठौड़ ने बताया कि महाराजा साहिब ने अपने शोक संदेश में जनरल रावत के असामयिक निधन से देश को अपूरणीय क्षति बताया है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना व देश के लिए उनके दिए गए अविस्मरणीय योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। महाराजा साहिब ने इस दुख की घड़ी में जनरल रावत और अफसरों, जवानों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि ईश्वर उनके परिजनों को इस दुःख की घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

जोधपुर पोलो से जुड़ी स्मृतियां-

19वें जोधपुर पोलो सीजन 2018 के दौरान 29 दिसम्बर, 2018 को तत्कालीन सेनाध्यक्ष के रूप में जनरल रावत पोलो मैदान में अर्जेन्टीना प्रदर्शन मैच में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एम्बेसडर फेडरेशन ऑफ इन्टरनेशनल पोलो के उपाध्यक्ष महाराजा गजसिंह जी ने की थी।

सेनाध्यक्ष रावत व महाराजा गजसिंह जी ने बॉल फेंककर मैच का शुभारंभ किया था व जनरल रावत व महाराजा ने विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की थी। महाराजा गजसिंह जी ने मैदान में जनरल रावत के कोट पर जोधपुर लांसर्स की पिन लगाकर स्वागत किया था।